Time : 2 Hours **Max. Marks: 100**

ITO Paper - 1 (Income Tax Law and Computation)
(Objective Type) (Without Books)
2nd September, 2024 (Shift 1 – 10.30 AM to 12.30 PM)

Important Instructions: All questions carry one mark each. For every incorrect attempt 1/8th mark shall be deducted. In case of any doubt, the English version may be taken as authentic. Wherever Assessment Year is not given, it may be taken as A.Y. 2024-25. In case of doubt in respect of the answer, choose the most appropriate option for the given question.

1.	The issue "as to whether expenditure incurred by a company in connection with issue of shares, with a view to increase its capital is capital expenditure or not" was decided by the Hon'ble Supreme Court in the case of a) CIT Vs. Podar Cement Pvt Ltd (SC) b) CIT Vs. British Paints Ltd (SC) c) Brooke Bond India Ltd Vs. CIT (SC) d) Goetze (India) Ltd Vs. CIT (SC) माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस मामले में यह निर्णय लिया कि किसी कंपनी द्वारा पूंजी वृद्धि के उद्देश्य से शेयरों को जारी करने के संबंध में किया गया खर्च, पूंजीगत खर्च है या नहीं। a) आयकर आयुक्त बनाम पोदार सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड (उच्चतम न्यायालय) b) आयकर आयुक्त बनाम ब्रिटिश पेंट्स लिमिटेड (उच्चतम न्यायालय) c) ब्रुक बॉन्ड इंडिया लिमिटेड बनाम आयकर आयुक्त (उच्चतम न्यायालय) d) गोएट्ज़ (इंडिया) लिमिटेड बनाम आयकर आयुक्त (उच्चतम न्यायालय)
2.	If the prime object of an assessee under an agreement is to let out a portion of the property to various occupants by giving them additional right of using the furniture and fixtures and other common facilities for which rent is paid month by month, the income would be taxable as house property income. This was held in the case of :- a) CIT Vs. Trilok Nath Mehrotra (SC) b) CIT Vs. Anand Theatres(SC) c) CIT Vs. P V A L Kulandagan Chettiar(SC) d) Shambhu Investment (P) Ltd Vs. CIT (SC) यदि किसी करार के तहत, दखलकारों को फर्नीचर एवं अन्य सुविधाओं के उपयोग का अतिरिक्त अधिकार देते हुए निर्धारिती का मुख्य उद्देश्य अपनी संपत्ति का एक भाग किराए पर देना हो, जिसके लिए प्रतिमाह किराया प्राप्त हो रहा हो, तो वह आय, गृह–संपत्ति आय के बतौर कराधीन होगी। यह निम्नांकित में से किस मामले में निर्णीत हुआ। a) आयकर आयुक्त बनाम त्रिलोक नाथ मेहरोत्रा (उच्चतम न्यायालय) b) आयकर आयुक्त बनाम आंनद थिएटर्स (उच्चतम न्यायालय) c) आयकर आयुक्त बनाम पी.वी.ए.एल कुलंदगन चेट्टिआर(उच्चतम न्यायालय) d) शंभू इन्वेस्टमेंट (प्रा.) लिमिटेड बनाम आयकर आयुक्त (उच्चतम

	न्यायालय)
3.	Suresh has entered into an International transaction with David LLC, UK. Suresh has not obtained a report from an accountant about the International transaction and subsequently has not uploaded the same while filing the ITR for the relevant assessment Year. The assessing officer can impose penalty of: a) Amount equal to value of the international transaction. b) A sum equal to one-half percent of the total sales. c) One hundred thousand rupees. d) A sum not less than but which shall not exceed three times the tax sought to be evaded. सुरेश ने डेविड एल.एल.सी., यू.के. के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय लेन–देन किया। सुरेश ने लेखाकार से इस अंतर्राष्ट्रीय लेन–देन की रिपोर्ट प्राप्त नहीं की और उसके बाद में प्रांसगिक निर्धारण वर्ष में आयकर विवरणी दाखिल करते समय उसे अपलोड नहीं किया। ऐसे में निर्धारण अधिकारी कितनी राशि की शास्ति आरोपित कर सकता है। a) अंतर्राष्ट्रीय लेन–देन के मूल्य के बराबर की राशि। b) कुल बिक्री के डेढ़ प्रतिशत के बराबर की राशि। c) एक लाख रूपऐ। d) अपेक्षित कर अपंवचन की राशि से तीन गुना राशि से अधिक नहीं, परंतु न ही उससे कम।
4.	If a person wilfully attempts in any manner whatsoever to evade any tax, penalty or interest chargeable or [imposable, or under reports his income], he shall, without prejudice to any penalty that maybe imposable on him under any other provision of the Income Tax Act be punishable- i) In a case where the amount sought to be evaded or tax on under reported income exceeds twenty-five hundred thousand rupees with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine. ii) In any other case, with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than three months but which may extend to two years and with fine. Both Statements (i) and (ii) pertains to: a) Section 276 CCC of the Income Tax Act b) Section 278 CCC of the Income Tax Act c) Section 276 C(1) of the Income Tax Act d) Section 276 AB of the Income Tax Act यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन प्रभार्य या अधिरोपणीय

	किसी कर, शास्ति या ब्याज का किसी भी रीति से जानबूझकर कर अपवंचन करने का प्रयास करेगा, तो वह इस अधिनियम के किसी अन्य उपबंध के अधीन उस पर अधिरोपणीय शस्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिनाः i) ऐसे मामले जहाँ वह रकम, जिसके अपवंचन करने का प्रयास किया गया है पच्चीस लाख रूपये से अधिक हो, कठोर कारावास से जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किंतु सात वर्ष तक हो सकेगी, और जुर्माने से दंडनीय होगा। ii) किसी अन्य मामले में कठोर कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किंतु दो वर्ष तक हो सकेगी, और जुर्माने से दण्डनीय होगा। उपर्युक्त दोनों कथन (i) एवं कथन (ii) किसके संबंधित हैः a) आयकर अधिनियम की धारा 276CCC b) आयकर अधिनियम की धारा 278CCC c) आयकर अधिनियम की धारा 276C(1) d) आयकर अधिनियम की धारा 276AB
5.	As per the section 194Q of the Income- tax Act, 1961, the buyer of the goods is required to deduct the TDS of the seller of the goods if the goods bought by the buyer from a particular seller are in aggregate of Rs. 50,00,000/- or more in annual value. In a case, the Buyer has made purchases of Rs. 1,00,00,000/- the liability to deduct TDS u/s 194Q will be of how much, provided that the turnover of the Buyer is 8 Crores in previous year: a) Rs. 10,000, because it is applicable @ 0.1% b) Rs. 5,000, because it is applicable on purchases of above 50 lakhs c) Nil d) None of the above आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194Q के अनुसार यदि किसी खरीददार द्वारा किसी विक्रेता से खरीदा गया सामान रू.50,00,000/- का हो या उसका सालाना मूल्य इससे अधिक हो तो, खरीददार को सामान के विक्रेता का टी.डी.एस काटना होगा। किसी ऐसे मामले में जहाँ खरीददार ने रू. 1,00,00,000/- की खरीद की है और खरीददार की वार्षिक टर्नओवर रू. 8 करोड़ की है, तो धारा 194Q के तहत उसे कितना टी.डी.एस काटने की बाध्यता होगी ? a) रू. 10,000/- क्योंकि यह 0.1% की दर पर लागू है। b) रू. 5,000/- क्योंकि यह रू. 50 लाख से ऊपर की खरीद पर लागू है। c) शून्य d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

6.	Which of the following facts are not correct with regard to fee under section 234E of the Income Tax Act, 1961. a) An assessee is liable to pay fee under section 234E for the failure to furnish a statement within the time prescribed u/s. 200(3) or u/s. 206C(3) of the Income Tax Act, 1961. b) A sum of Rs. 200/- shall be paid by way of fee for every day of such default in furnishing of statement within the time prescribed u/s. 200(3) or u/s. 206C(3). c) The amount of fee under section 234E shall not exceed the amount of tax deductible or collectible, as the case may be. d) By virtue of powers vested with him, the Principal Chief Commissioner is empowered to relax the time limit for filing statement or waive the fee leviable u/s. 234E. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 234E के तहत शुल्क के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सा तथ्य सही नहीं है– a) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 200(3) या 206C(3) के तहत प्रदान की गई अवधि के भीतर विवरण दाखिल करने में असफल होने की स्थिति में धारा 234E के तहत निर्धारती की शुल्क अदा करने की देयता होती है। b) धारा 200(3) या 206C(3) के तहत नियत अवधि के भीतर विवरण प्रस्तुत करने में चूक की स्थिति में प्रत्येक दिन के लिए रू. 200/- की राशि शुल्क के रूप में अदा करनी होगी। c) धारा 234E के तहत शुल्क की राशि, कटौती योग्य या संग्रहणीय कर की राशि जैसा भी मामला हो, से ज्यादा न होगी। d) प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त को, उसे प्रदत्त शक्तियों के कारण यह अधिकार है कि वह विवरण दाखिल करने की समय सीमा में ढील दे सके या धारा 234E के तहत देय शुल्क माफ कर सके।
7.	Which of the following given below are correctly matched: A. Tax Deduction salary under section 192: Form No. 24QA B. Tax Deduction salary under section 194-IA: Form No. 26QB C. Tax Deduction salary under section 194M: Form No. 24QE D. Tax Deduction by exchange under section 194S – Form No. 26QF a) (A), (B) and (C) b) (A), (C) and (D) c) (B), (C) and (D) d) (B) and (D) only

	निम्नांकित में से कौन सा मिलान सही है: A. धारा 192 के तहत वेतन में कर–कटौती : फॉर्म सं. 24QA B. धारा 194 – IA के तहत वेतन में कर–कटौती : फॉर्म सं. 26QB C. धारा 194M के तहत वेतन में कर–कटौती : फॉर्म सं. 24QE D. धारा 194S के तहत विनिमय द्वारा कर–कटौती : फॉर्म सं. 26QF a) (A), (B) एवं (C) b) (A), (C) एवं (D) c) (B), (C) एवं (D) d) केवल (B) एवं (D)
8.	U/s 144BA of the Act: A. Reference to Principal Commissioner of Income Tax can be made in respect of Chapter X-A of the Act B. Reference to the Joint commissioner of Income tax Act C. Reference to Director General of Income Tax Act can be made D. Reference to DVO can be made Which one of the above is true a) (A) only b) (B) only c) (C) only d) (D) only अधिनियम की धारा 144BA के तहत A. अधिनियम के अध्याय X-A के संदर्भ में प्रधान आयकर आयुक्त का संदर्भ लिया जा सकता है। B. आयकर अधिनियम के संदर्भ में संयुक्त आयकर आयुक्त का संदर्भ लिया जा सकता है। C. आयकर अधिनियम के संदर्भ में आयकर महानिदेशक का संदर्भ लिया जा सकता है। D. DVO का संदर्भ लिया जा सकता है। उपरोक्त में से कौन सा सत्य है। a) केवल (A) b) केवल (B) c) केवल (C) d) केवल (D)
9.	In which of the following cases, the Hon'ble Supreme Court held that section 5 of the Amendment Act of PBPT Act, can be applied only prospectively and not

	retrospectively; a) Vijay Madanlal Chaudary Vs. Union of India, b) Ganapathi Dealcom Pvt Ltd Vs. Union of India c) Mithilesh Kumari Vs. Prem Behari Khare, d) R Rajagopal Reddy Vs. Padmini Chandrasekaran निम्नलिखित में से किस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पी बी पी टी अधिनियम के संशोधन अधिनियम की धारा 5 भविष्य प्रभावी हो सकती है न कि पूर्व प्रभावी ? a) विजय मदनलाल चौधरी बनाम भारतीय संघ b) गणपति डीलकॉम प्राइवेट लि. बनाम भारतीय संघ c) मिथिलेश कुमारी बनाम प्रेम बिहारी खरे d) आर राजगोपाल रेड्डी बनाम पद्मिनी चंद्रशेखरन
10.	Who is a benamidar under section 2(10) of the PBPT Act, i) A person, in whose name the Benami property is transferred or held, ii) Includes a person who lends his name, iii) A fictitious person, in whose name the Benami property is transferred or held. a) Only statements (i) and (iii) are true, b) Statements (i), (ii) and (iii) are true, c) Only statements (i) and (ii) are true d) Only statements (ii) and (iii) are true. पी बी पी टी अधिनियम की धारा 2(10) के तहत कौन बेनामीदार है ? i) एक व्यक्ति जिसके नाम बेनामी संपति है या स्थानांतरित की गई ii) इसमें वह व्यक्ति भी शामिल है, जिसने अपना नाम प्रयोग करने की अनुमति दी है iii) कोई फर्जी व्यक्ति, जिसके नाम बेनामी संपति है या स्थानांतरित की गई। a) केवल कथन (i) एवं (iii) सही हैं b) कथन (i), (ii) एवं (iii) सही हैं c) केवल कथन (i) एवं (ii) सही है d) केवल कथन (ii) एवं (iii) सही है
11.	After enquiry and hearing of all parties (including Initiating Officer), Adjudicating Authority shall pass order under section 26(3) of the PBPT Act, within_______ from end of the month in which Sec. 24(5) reference was made- a) 9 months,

	b) 12 months, c) 36 months. d) No time limit. अधिनिर्णय प्राधिकारी, जांच और सभी पार्टियों (प्रारंभिक अधिकारी सहित) को सुनने के बाद पी बी पी टी अधिनियम की धारा 26(3) के तहत, धारा 24(5) के संदर्भ जारी होने के महीने की समाप्ति के बाद __________ के भीतर आदेश जारी करेगा। a) 9 महीने b) 12 महीने c) 36 महीने d) कोई समय सीमा नही
12.	During the course of election surveillance, X was caught with a cash of Rs 10 crore and he is not in a position to explain the sources and also does not know the person from whom the cash was received. Assessing officer assessed the above cash as X's income and raised income tax demand. Whether provisions of Benami Act (PBPT Act) attracts for the instant case? a) Benami Act cannot be applied since it would be double jeopardy, b) Benami Act can be applied, if income tax assessment is not made, c) Benami Act can be invoked, d) None of the above. चुनाव निगरानी के दौरान 'X' को 10 करोड़ नकद के साथ पकड़ा गया। वह इसका स्रोत और न ही किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बता पाया कि जिससे उसने यह नकद राशि प्राप्त की। निर्धारण अधिकारी ने इसे उसकी आय मानते हुए आयकर की मांग की। क्या तात्कालिक मामले के लिए बेनामी अधिनियम (पी बी पी टी) उपवंध लागू होंगे ? a) बेनामी अधिनियम लागू नहीं होंगे क्योंकि इससे दोहरी मार लगेगी। b) बेनामी अधिनियम लागू हो सकता है, यदि आयकर का निर्धारण नही किया गया। c) बेनामी अधिनियम को अवलंब किया जा सकता है। d) उपरोक्त में से कोई नही
13.	During the period of demonetization, Rs 60 crore cash was deposited into the bank account of 'X' and in the sworn statement, 'X' owned up the said cash deposit, even though he does not have any means or sources for such income. Income tax assessment was made and demand raised on the above cash deposits by the assessing officer. Meanwhile, the Initiating Officer had attached a property which was purchased out of the above cash deposits, invoking the provisions of the PBPT Act. Which of the following is correct;

	a) Initiating officer was wrong in attaching the said property, since the said cash deposits have been assessed as income of the 'X'. b) Action of the Assessing officer is not correct, since action has been taken under the PBPT Act. c) Action can be taken under both PBPT Act and Income tax Act simultaneously. d) None of the above statement is correct. विमुद्रीकरण के दौरान 'X' के बैंक खाते में 60 करोड़ नकद जमा किया गया। 'x' ने शपथपूर्वक इस राशि के स्वामित्व को स्वीकारा, जबकि ऐसी आय का उसके पास कोई साधन या स्रोत नहीं है। निर्धारण अधिकारी ने उपर्युक्त नकदी के संबंध में निर्धारण करते हुए आयकर की मांग की। इस बीच प्रारंभिक अधिकारी ने पी बी पी टी अधिनियम के उपबंधों को लागू करते हुए उपर्युक्त नकद से खरीदी गई संपति को कुर्क कर लिया। निम्नलिखित में से क्या सही है? a) प्रारंभिक अधिकारी ने संपति को कुर्क करके गलती की, क्योंकि उपर्युक्त नकद 'X' की आय स्वरूप निर्धारित की गई है। b) निर्धारण अधिकारी की कार्रवाई सही नहीं है, क्योंकि कार्रवाई पी बी पी टी के तहत की गई। c) कार्रवाई पी बी पी टी अधिनियम और आयकर अधिनियम दोनों के तहत व साथ-साथ की जा सकती है। d) उपर्युक्त में से कोई भी कथन सही नहीं है।
14.	i) Property acquired by 'X' in the name of his Brother-in-law from the accounted sources of 'X' and 'X' is enjoyment of the property or having beneficial interest over the property: This shall not be a Benami Transaction. ii) A black money hoarder 'A' deposits Rs. 50 lakhs in Jan Dhan bank account of 'X', a labourer. X has no clue how the same happened and denies knowing A or ever meeting: Bank balance to the extent of deposit is a benami property. a) Statements (i) and (ii) both are correct, b) Statements (i) correct and (ii) is not correct c) Statements (i) not correct and (ii) is correct d) Both are not correct. i) 'X' ने अपने लेखा-बद्ध स्रोतों से अपने साले के नाम से संपति खरीदी और वह इसका उपयोग कर रहा है या संपति पर उसका लाभकारी हस्तक्षेप विद्यमान है। यह बेनामी लेनदेन नहीं माना जाएगा। ii) एक कालाधन जमाकर्ता 'A' ने 'X' जोकि एक मजदूर है, के जनधन बैंक खाते में रू. 50 लाख जमा किया। 'X' को इसके बारे में कुछ नहीं पता और न ही वह पहले 'A' से कभी मिला। उसके बैंक में जमा की गई राशि तक का उसका बैंक लेखा शेष, बेनामी संपति है। a) कथन (i) और (ii) दोंनो सही है।

	b) कथन (i) सही है और (ii) सही नहीं है। c) कथन (i) सही नहीं है और (ii) सही है। d) दोंनो सही नहीं है।
15.	Which one of the following statements is true; Under section 24(4) of the PBPT Act, the Initiating Officer shall pass an order provisionally attaching property with the prior approval of the Approving Authority; i) within a period of ninety days from the date of issue of notice under section 24(1) of the PBPT Act. ii) within a period of ninety days from the last day of the month in which notice under section 24(1) of the PBPT Act was issued. iii) the period during which the proceeding is stayed by an order of any Court is to be excluded. a) Statements (i) and (ii) are true, b) Statements (ii) and (iii) are true c) Statements (i) and (iii) are true d) All the statements are true. निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है ; पी बी पी टी अधिनियम की धारा 24(4) के तहत, प्रारंभिक अधिकारी, अनुमोदनकर्ता प्राधिकारी के पूर्वानुमोदन पश्चात, संपति कुर्क करने का अंतिम आदेश जारी करेगा। i) पी बी पी टी अधिनियम की धारा 24(1) का नोटिस जारी होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर। ii) पी बी पी टी अधिनियम की धारा 24(1) का नोटिस जारी होने की तारीख के महीने की अंतिम तारीख से 90 दिनों के भीतर। iii) वह समय, जिस दौरान किसी न्यायलय द्वारा कार्यवाही पर स्टे लगा रहा, उस अवधि को गिना नहीं जाएगा। a) कथन (i) और (ii) सही है। b) कथन (ii) और (iii) सही है। c) कथन (i) और (iii) सही है। d) सभी कथन सही हैं।
16.	As per section 2(1A) Agricultural Income means: i) Any rent or revenue derived from land which is situated in India and is used for agricultural purposes. ii) Any income derived from such land by agricultural operations including processing of the agricultural produce, raised or received as rent-in-kind so as to render it fit for the market, or sale of such produce. iii) Income attributable to a farm house subject to the conditions that the building

	is situated on or in the immediate vicinity of the land and is used as a dwelling house, store house or other out building and the land is assessed to land revenue or a local rate or, alternatively, the building is situated on or in the immediate vicinity of land which is situated outside the urban areas, i.e., any area which comprised within the jurisdiction of a municipality or cantonment board having a population of ten thousand or more or in any area within such notified distance from the local limits of such municipality or cantonment board. Choose the correct option: a) Only (i) is correct. b) Only (i) & (ii) are correct. c) All are correct. d) None are correct. धारा 2(1A) के अनुसार कृषि आय से तात्पर्य हैः i) भारत में स्थित एवं कृषि के उद्देश्यों से प्रयुक्त भूमि से प्राप्त किसी प्रकार का किराया या राजस्व ii) कृषि उत्पाद के प्रसंस्करण सहित कृषि कार्यो के द्वारा ऐसी भूमि से जनित कोई आय; या बतौर वस्तु रूप लगान, जिससे उस वस्तु को बाजार के लिये प्रयुक्त या बिक्री योग्य बनाया जा सके। iii) किसी फार्म हाऊस से जनित आय, बशर्ते कि वह भवन उस भूमि पर है या उसके ठीक निकट है तथा उसका उपयोग निवास गृह या भण्डार गृह या अन्य बाहरी भवन के रूप मे किया जा रहा है तथा भूमि पर भू–राजस्व या स्थानीय दर प्रभार्य है अथवा अनुकल्पतः भवन शहरी क्षेत्र के बाहर स्थित भूमि पर या उसके ठीक निकट भूमि पर स्थित है, अर्थात कोई ऐसा क्षेत्र जो किसी नगर पालिका या छावनी के क्षेत्राधिकार के भीतर हो और 10 हजार या उससे अधिक की जनसंख्या हो या ऐसी किसी नगरपालिका या छावनी की सामान्य सीमाओं से अधिसूचित दूरी के भीतर हो। सही विकल्प चुनेः a) केवल (i) सही है b) केवल (i) और (ii) सही है c) सभी सही है d) कोई सही नहीं है
17.	The Head office of AB, a Hindu undivided family (HUF), is situated in London. The family is managed by X (since 1980), who is resident in India in only 3 out of 10 years preceding the previous year 2022-23 and he is present in India for more than 729 days during the last 7 years. Determine the residential status of the family for the assessment year 2024-25, if the affairs of the family's business are (i) wholly controlled from London (ii) partly controlled from India:

	a) In both the conditions (i) & (ii), the residential status of the HUF for AY 2024-25 would be Resident and Ordinarily Resident in India. b) In both the conditions (i) & (ii), the residential status of the HUF for AY 2024-25 would be Non-resident. c) In condition (i) the residential status of the HUF for AY 2024-25 would be Non-resident, however, in condition (ii), its residential status for AY 2024-25 would be Resident and Ordinary Resident in India. d) In condition (i) the residential status of the HUF for AY 2024-25 would be Resident and Ordinary Resident in India, however, in condition (ii), its residential status for AY 2024-25 would be Non-resident. AB, हिन्दू अविभक्त कुटुंब (एच यू एफ) का मुख्यालय लंदन मे स्थित है। परिवार का रख-रखाव X के द्वारा (1980 से) किया जा रहा है, जो पूर्व वर्ष 2022-23 से पिछले 10 वर्षों में से 3 वर्ष भारत में रहा और पिछले 7 वर्षों मे वह भारत में 729 दिनों से ज्यादा रहा है। निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए परिवार की निवासीय स्थिति को निर्धारित कीजिए, यदि परिवार के मामलों का कार्य (i) पूर्ण रूप से लंदन से ही नियंत्रित किया जाता है (ii) आंशिक रूप से भारत से नियंत्रित किया जाता हैः a) (i) और (ii) दोनो स्थितियों में, निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए एच यू एफ की निवासीय स्थिति भारत में निवासी एवं सामान्यतः भारत में निवासी रहेगी। b) (i) और (ii) दोनो स्थितियों में, निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए एच यू एफ की निवासीय स्थिति अनिवासी रहेगी। c) स्थिति (i) में, निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए एच यू एफ की निवासीय स्थिति अनिवासी रहेगी तथापि, स्थिति (ii) में, निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए निवासीय स्थिति निवासी एवं साधारणतः भारत में निवासी रहेगी। d) स्थिति (i) में, निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए एच यू एफ की आवासीय स्थिति निवासी एवं भारत में साधारण निवासी रहेगी, तथापि, स्थिति (ii) में, निर्धारण वर्ष 2024-25 मे इसकी आवासीय स्थिति अनिवासी रहेगी।
18.	Due to change in profit share between the partners, a firm reconstituted its partnership deed. This incidence took place on 25 September, 2022. In these circumstances, the following tax implication would arise: i) Only the share of the profit is changed. No new partners were either introduced or old partners ceased to be partners. Hence, there is no transfer of asset or stock in trade or both. ii) No tax implication would arise as there is no transfer of capital assets or stock in trade. iii) The transaction comes under the provision of section 9B of the IT Act and accordingly, the instant changes will be construed as deemed transfer of capital

	asset or stock in trade or both, as the case may be. iv) Any profits and gains arising from such deemed transfer of capital asset or stock in trade or both, as the case may be, deemed to be the income of the firm. Choose the correct option: a) Only (i) & (ii) are correct. b) Only (iii) & (iv) are correct. c) All are correct. d) None are correct. साझेदारों के बीच में मुनाफे के बंटवारे मे बदलाव के कारण फर्म ने अपने साझेदारी विलेख को पूर्नगठित किया। यह कार्य 25 सितम्बर 2022 को हुआ। इन परिस्थितियों में निम्न कर प्रभाव उत्पन्न होंगेः– i) सिर्फ मुनाफे का हिस्सा बदला है। कोई नया साझेदार नहीं जुडा है और न ही पुराना साझेदार हटा है। अतः परिसंपत्ति या व्यापार स्टॉक या दोनों का अंतरण नहीं होगा। ii) चूंकि पूंजी आस्तियों या व्यापार स्टॉक का अंतरण नहीं हुआ है इसलिए इसका कोई कर प्रभाव नहीं होगा। iii) यह संव्यवहार आयकर अधिनियम के खंड 9बी के प्रावधानों के तहत आता है और तद्नुसार इस बदलाव को पूंजी आस्तियों या व्यापार स्टॉक या दोनों जैसा भी मामला हो का अंतरण माना जाएगा। iv) पूंजी आस्तियों या व्यापार स्टॉक या दोनों, जैसा भी मामला हो के ऐसे मानित अंतरण से जनित मुनाफे या लाभ को फर्म की आय माना जाएगा। सही विकल्प चुनेः a) सिर्फ (i) और (ii) सही है b) सिर्फ (iii) और (iv) सही है c) सभी सही है d) कोई सही नहीं है
19.	Which of the following are correctly matched as per the provisions of the IT Act, 1961: (i) | Retrenchment compensation | Section 10(10B) (ii) | Payment from an approved superannuation fund | Section 10(13) (iii) | Lease rent of aircraft | Section 10(15) (iv) | Daily allowance of Members of Parliament | Section 10(17A) Choose the correct option: a) Only (i) & (ii) are correct. b) Only (i), (iii) & (iv) are correct.

	c) Only (i), (ii) & (iii) are correct d) All are correct. आयकर अधिनियम, 1961 की धाराओं के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा मिलान सही है: (i) छटनी प्रतिकर — धारा 10(10B) (ii) अनुमोदित सेवानिवृत्ति कोश से भुगतान — धारा 10(13) (iii) हवाई जहाज का लीज किराया — धारा 10(15) (iv) संसद सदस्यों का दैनिक भत्ता — धारा 10(17A) सही विकल्प चुनेः a) सिर्फ (i) और (ii) सही हैं b) सिर्फ (i), (iii) और (iv) सही हैं c) सिर्फ (i), (ii) और (iii) सही हैं d) सभी सही हैं
20.	Exemption for newly established industrial undertaking in free trade zones is mentioned in which section? a) Section 10 (A) b) Section 10 (AA) c) Section 10 (B) d) Section 10 (BA) निशुल्क व्यापार जोन मे नए स्थापित औद्योगिक उपक्रम के लिए छूट किस धारा मे उल्लिखित है ? a) धारा 10(A) b) धारा 10(AA) c) धारा 10(B) d) धारा 10(BA)
21.	Any income of a political party which is chargeable under the following head shall not be included in the total income of the previous year of such political party: i) Income from house property ii) Income from other sources iii) Capital gains iv) Interest on securities Choose the correct option: a) Only (ii), (iii) & (iv) are correct. b) Only (i), (ii) & (iii) are correct. c) Only (i), (ii) & (iv) are correct d) Only All are correct. राजनीतिक पार्टी की कोई भी आय जो निम्न शीर्ष के तहत प्रभार्य

	है; ऐसी राजनीतिक पार्टी की पिछले वर्ष की कुल आय मे सम्मिलित नहीं होगीः i) गृह संपत्ति से आय ii) अन्य स्रोतों से आय iii) पूंजीगत लाभ iv) प्रतिभूति पर ब्याज सही विकल्प चुनेः a) केवल (ii), (iii) और (iv) सही है b) केवल (i), (ii) और (iii) सही है c) केवल (i), (ii) और (iv) सही है d) सभी सही है
22.	Any payment from the Agniveer Corpus Fund to a person enrolled under the Agnipath Scheme, or to his nominee is exempted from the taxation as per the following section: a) 10(12) b) 10(12A) c) 10(12B) d) 10(12C) अग्निपथ योजना के तहत नामित किसी भी व्यक्ति को या उसके नामिती को अग्निवीर कार्पस फंड से कोई भी भुगतान निम्नलिखित धाराओं के अनुसार कराधान से छूट प्राप्त हैं a) 10(12) b) 10(12A) c) 10(12B) d) 10(12C)
23.	For how many consecutive assessment years are profits and gains exempt from inclusion in total income under Section 10C for eligible industrial undertakings in the North-Eastern Region? a) 5 years b) 10 years c) 15 years d) 20 years उत्तर–पूर्व क्षेत्र मे औद्योगिक उपक्रमों के लिए धारा 10C के तहत लाभ और अभिलाभ को कुल आय मे सम्मिलित करने से छूट, कुल कितने लगातार वर्षों तक रहेगी ? a) 5 वर्षों के लिए b) 10 वर्षों के लिए c) 15 वर्षों के लिए d) 20 वर्षों के लिए

24.	A person resident in India entered into a transaction with a not ordinarily resident in India (within the meaning of clause (6) of section 6 of the IT Act, 1961) on June 15, 2023, within the meaning of sub-clause (xviia) of clause (24) of section 2. In this case, the income arises under the meaning of a) Income arising in India b) Income arising outside India c) Both (a) & (b) d) No income arising एक भारतीय निवासी व्यक्ति ने दिनांक 15 जून, 2023 को; सामान्यतः भारत मे न निवास करने वाले व्यक्ति (आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 6 के खण्ड (6) की संकल्पना के तहत) धारा 2 के खण्ड (24) के उप–खण्ड (xviia) के तहत। इस मामले में, उत्पन्न आय की क्या संकल्पना होगी – a) भारत में जनित आय b) भारत के बाहर जनित आय c) (a) एवं (b) दोनों d) कोई आय जनित नहीं हुई है
25.	The AO while considering disallowance under section 14A read with Rule 8D (of I.T. Act & I.T. Rules respectively) , what would be an irrelevant factor- a) No deduction shall be allowed in respect of expenditure incurred by the assessee in relation to income which does not form part of the total income. b) The dominant purpose for which the investment in shares is made is to be considered in deciding the disallowance. c) For attracting section 14A, there has to be a proximate cause for disallowance, which is its relationship with tax-exempt income and since pay-back or return on investment is not such a case, sec 14A is not applicable. d) Expenditure attributable to exempt dividend income will have to be apportioned to be disallowed under section 14A. निर्धारण अधिकारी धारा 14A, सहपठित नियम 8D (क्रमशः आयकर अधिनियम व आयकर नियम) अंतर्गत अस्वीकरण पर विचार कर रहे हैं, तो निम्नलिखित में से असंगत तथ्य क्या है ? a) कुल आय का भाग न होने वाली आय के संदर्भ में किये गये व्यय की कटौती अनुमत नहीं होगी b) नामंजूरी निर्धारित करने के लिए शेयरों में निवेश के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखा जाएगा। c) धारा 14A लागू होने के लिए, अस्वीकृति हेतु प्रत्यक्ष कारण होने चाहिए, जो है कर से छूट प्राप्त आय का उससे संबंध। चूंकि पे–बैक या निवेश पर प्रतिलाभ ऐसे मामले नहीं है, अतः धारा

	14A लागू नहीं होगी। d) छूट प्राप्त लाभांश आय से संबंधित व्यय को धारा 14A के तहत अस्वीकार्य प्रभाजित करना होगा।
26.	Who of the following is **NOT** an owner or deemed owner to be assessed for house property income:- a) A person who has dominion over the property and is entitled to receive income from the property in his own right but the property is NOT registered in his name. b) A member of a co-operative society to whom building or part thereof is allotted or leased under a house-building scheme of the society. c) An individual who transfers otherwise than for adequate consideration any house-property to his/her spouse, the transfer being in connection with an agreement to live apart. d) A person who is allowed to take or retain possession of any building or part thereof in part performance of a contract of the nature referred to in section 53A of The Transfer of Property Act,1882. निम्नलिखित में से कौन गृह संपत्ति आय निर्धारण के लिए स्वामी या मानित स्वामी नहीं है ? a) वह व्यक्ति जिसका संपत्ति पर कब्जा हो तथा वह उसके अपने अधिकार से संपत्ति से प्राप्त आय के लिए हकदार हो किन्तु संपत्ति उसके नाम पंजीकृत नहीं हों। b) किसी कॉ–आपरेटिव सोसायटी का वह सदस्य, जिसे वह बिल्डिंग या उसका कुछ भाग सोसायटी की हाउस–बिल्डिंग स्कीम के अंतर्गत आवंटित हो या लीज पर प्राप्त हो। c) कोई व्यक्ति जो उपयुक्त प्रतिफल के बिना किसी गृह संपत्ति को अपने जीवनसाथी को अंतरित करता है, यह अंतरण अलग–अलग रहने के समझौते से संबद्ध होने के कारण। d) कोई व्यक्ति, जिसे संपत्ति अंतरण अधिनियम १८८२ की धारा 53A मे संदर्भित प्रकृति की संविदा के भाग–निष्पादन (Part Performance) मे बतौर, किसी इमारत या उसके किसी भाग पर कब्जा हासिल करने या बनाए रखने की अनुमति हो।
27.	Which of the following statements is **FALSE** a) Where it is found that a property is jointly owned by two individuals in equal shares, each of the individuals must be assessed separately under Section 26. b) The heirs of a Dayabhaga Hindu coparcenary have defined shares in the properties belonging to them jointly and therefore, each such share of the income from property is to be separately assessed. c) The property income from the properties of the firm prior to its dissolution has to be assessed separately in the hands of partners in accordance with their

	profit-sharing ratio under sec 26 of the IT Act, 1961. d) The essence of a coparcenary under Mitakshara Law being "unity of ownership", unless the family is partitioned and each member is allotted definite portions of the property, the Mitakshara Coparcenary property cannot be assessed in each member's hands separately under Section 26 of the I.T.Act,1961. निम्न मे से कौन सा कथन 'गलत' है – a) जहां पर दो व्यक्ति, बराबर भाग मे संयुक्त रूप से संपत्ति के मालिक है, इनमे से प्रत्येक का धारा 26 के अंतर्गत अलग–अलग से निर्धारण किया जाएगा। b) दायभाग हिन्दू सहदायिक के उत्तराधिकारियों के, संयुक्त संपत्तियों मे उनके निर्धारित हिस्से हैं; जिन पर उनका संयुक्त स्वामित्व है। इसलिए संपत्ति से आय के प्रत्येक भाग को अलग से निर्धारित किया जाए। c) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 के तहत किसी फर्म की संपत्ति आय, के विघटन से पूर्व इसके साझीदारों द्वारा उनकी लाभ प्रतिशतता के अनुसार अलग–अलग निर्धारण किया जाना चाहिए। d) जब तक कि परिवार का विभाजन न हो गया हो और फलस्वरूप प्रत्येक सदस्य को उसका निश्चित हिस्सा अंतरित न कर दिया गया हो; मिताक्षर विधि के तहत "सहस्वामित्व" सहदायिता का मूल सार है, मिताक्षरा सहदायी संपति को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 के अंतर्गत प्रत्येक सदस्य का अलग–अलग निर्धारण नहीं किया जा सकता
28.	The amount of bonus received under a Keyman Insurance Policy is assessed as – a) Salary by virtue of Section 17(1)(i) of the I.T.Act,1961. b) Perquisite by virtue of Section 17(2) of the I.T.Act,1961. c) Income under the head Other Sources by virtue of Section 56 of the I.T.Act,1961. d) Profits & Gains of Business & Profession by virtue of Section 28(vi) of the I.T.Act,1961 कीमेन इंश्योरेंस पॉलिसी के अंतर्गत प्राप्त बोनस की राशि निर्धारित किस प्रकार की जाएगी– a) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1)(i) के आधार पर वेतन b) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के आधार पर अनुलाभ c) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 56 के आधार पर "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के तहत

	d) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 28(vi) के आधार पर कारोबार एवं व्यवसाय के लाभ एवं प्राप्ति
29.	Which of the following is **NOT** an allowable deduction under section 30 of the Income Tax Act,1961- a) Rent paid by the assessee occupying the premises as a tenant used for the purposes of Business & Profession. b) Any sum paid on account of municipal taxes in respect of used for the purposes of Business & Profession. c) Amount of premium paid in respect of insurance against risk of damage of the premises. d) Amount of lease-premium paid by the assessee for the premises taken on lease used for Business & Profession. निम्नलिखित मे से कौन सी कटौती आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 30 के अंतर्गत अनुमत नहीं है– a) किरायेदार के रूप में, कारोबार एवं व्यवसाय के लिए प्रयुक्त भवन के लिये निर्धारिती द्वारा अदा किया गया किराया b) कारोबार एवं व्यवसाय के उद्देश्य के लिए उपयोग के संबंध मे नगर निगम कर के कारण कोई भुगतान की गई राशि c) परिसर की क्षति के खतरे के विरूद्ध इंश्योरेंस के संबंध में भुगतान किए गए प्रीमियम की राशि d) कारोबार एवं व्यवसाय के लिए उपयोग हेतु, लीज पर लिए गए परिसर के लिए निर्धारिती द्वारा भुगतान की गई लीज–प्रीमियम की राशि
30.	In which of the following cases claim of Investment Allowance under section 32A **cannot** be granted by the AO- a) Assessee claimant is a leasing or finance company which owns machinery and leases the same to the third parties who use such machinery for manufacture or production of articles or things as specified in section 32A(2)(b) of the I.T.Act,1961.All the other pre-conditions are fulfilled. b) Assessee claimant is a Hotel and the claim is that hotel business is an industrial undertaking and therefore, it is entitled to Investment Allowance by treating the hotel building itself as a plant. All the other pre-conditions are fulfilled. c) Assessee claimant, a manufacturer of steel, claims Investment Allowance in respect of new oxygen plant for its gas division (an intermediate process). All the other pre-conditions are fulfilled. d) Assessee claimant, a power corporation claims Investment Allowance on its generating station building found to be so constructed as to be an integral part of its generating system with the claim that building is a plant. All the other pre-conditions are fulfilled.

	निम्नलिखित में से कौन से मामले में, निर्धारण अधिकारी द्वारा धारा 32A के तहत, निवेश भत्ते का दावा स्वीकृत नहीं किया जा सकता – a) दावेदार निर्धारिती एक पट्टेदारी या वित्तीय कंपनी है, जिसकी मशीने हैं और पट्टे पर तीसरे पक्ष को देती है जो उस मशीनरी का प्रयोग आयकर अधिनियम, 1961 के भाग 32A(2)(b) में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के उत्पादन संबंधी विनिर्माण करता है। अन्य सभी पूर्व शर्ते पूरी कर ली गई है। b) दावेदार निर्धारिती एक होटल है और दावा किया गया है कि होटल व्यापार एक आद्यौगिक उपक्रम है और इस प्रकार होटल भवन को एक संयत्र के रूप में मानते हुए यह निवेश भत्ते का पात्र है अन्य सभी पूर्व शर्ते पूर्ण कर ली गई है। c) दावेदार निर्धारिती, जो एक इस्पात निर्माता है, नए आक्सीजन संयत्र की गैस डिवीजन (माध्यमिक प्रक्रिया) के संदर्भ में निवेश भत्ते का दावा करता है। अन्य सभी पूर्व शर्ते पूरी कर ली गई है। d) दावेदार निर्धारिती, एक विद्युत निगम है, के द्वारा अपने जनरेटिंग सिस्टम के अविभाज्य अंग के रूप में जनरेटिंग स्टेशन को संयंत्र भवन के निर्माण के फलस्वरूप निवेश भत्ते का दावा करता है। अन्य सभी पूर्व शर्ते पूरी कर ली गई है।
31.	Which of the following statement is **FALSE** in the context of section 36(1)(iii) of the I.T.Act,1961- a) Section 36(1)(iii) is a code by itself and has to be read on its own terms. b) Unlike the definition of interest under section 2(28A) of the I.T.Act, in the context of section 36(1)(iii) interest is restricted to that on money borrowed and not on debt incurred. c) The interest paid on money borrowed has to be for revenue purposes and not for capital purposes. d) If the object of borrowing of capital is illusory, colourable and not genuinely for business purposes, on the basis of such finding, interest claim can be disallowed. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(iii) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है – a) धारा 36(1)(iii) स्वयं एक कोड है और इसकी व्याख्या स्वतंत्र रूप से की जानी चाहिए। b) आयकर अधिनियम की धारा 2(28A) के तहत ब्याज की परिभाषा से भिन्न धारा 36(1)(iii) के 'ब्याज' उधार ली गई धनराशि तक ही सीमित है और न कि उपगत ऋण पर। c) उधार ली गई धनराशि पर भुगतान किया गया ब्याज राजस्व उद्देश्य के लिए होना चाहिए न कि लिए गए पूंजी उद्देश्यों के लिये। d) यदि व्यवसायिक उद्देश्य के लिए उधार ली गई पूँजी का

	उद्देश्य अवास्तविक, आभासी और यथार्थ नहीं है तो ऐसी स्थिति में ब्याज का दावा अस्वीकृत किया जा सकेगा।
32.	What is the cap or limit prescribed for eligible deduction in respect of provision for bad and doubtful debts made by assessee scheduled bank under section 36(1)(viia)(a) of the I.T.Act,1961 qua advances made by rural branches of such bank computed in the prescribed manner ? a) 10% of the aggregate average advances made by rural branches of such bank computed in the prescribed manner. b) 4% of the aggregate average advances made by rural branches of such bank computed in the prescribed manner. c) 2% of the aggregate average advances made by rural branches of such bank computed in the prescribed manner. d) 5% of the aggregate average advances made by rural branches of such bank computed in the prescribed manner. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viia)(a) के तहत निर्धारिती अनुसूचित बैंक की ग्रामीण शाखाओं द्वारा डूबंत और संहेदास्पद ऋण के प्रावधान के संबंध में योग्य कटौती की उच्चतम सीमा क्या है ? a) निर्धारित तरीके से संगणित ऐसे बैंक की ग्रामीण शाखाओं द्वारा कुल औसत अग्रिमों का 10% b) निर्धारित तरीके से संगणित ऐसे बैंक की ग्रामीण शाखाओं द्वारा कुल औसत अग्रिमों का 4% c) निर्धारित तरीके से संगणित ऐसे बैंक की ग्रामीण शाखाओं द्वारा कुल औसत अग्रिमों का 2% d) निर्धारित तरीके से संगणित ऐसे बैंक ग्रामीण शाखाओं द्वारा कुल औसत अग्रिमों का 5%
33.	In which of the following cases, Section 40A(3) read with Rule 6DD (of the I.T.Act,1961 & I.T.Rules,1962) is **NOT** applicable? a) Payments for purchase of goods for the business. b) Advancing of loan or repayment of the principal amount of the loan. c) Payments made for goods purchased on credit. d) Payments made for purchases of smuggled goods in an illegal business. निम्नलिखित में से किस मामले में, धारा 40A(3) सहपठित नियम 6DD (आयकर अधिनियम, 1961 और आयकर नियम, 1962 क्रमशः) लागू नहीं होगी ? a) व्यवसाय के लिए माल की खरीद का भुगतान। b) ऋण देना या ऋण की मूल राशि का भुगतान। c) उधार खरीदे गए माल के लिए किया गया भुगतान। d) किसी अवैध व्यवसाय में तस्करी माल की खरीद के लिए किया गया भुगतान।

34.	Which of the following is not regarded as transfer of capital asset? a) Possession of a flat under part performance of sale contract before registration of sale deed. b) Alienation of a house property under Reverse Mortgage Scheme. c) Conversion of equity shares of a company to preference shares approved by NCLT. d) Gift of company's shares to an employee under an ESOP. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प पूँजीगत परिसंपत्ति के अंतरण के संदर्भ में नहीं है ? a) विक्रय विलेख के पंजीकरण से पहले विक्रय अनुबंध के आंशिक निष्पादन के तहत एक फ्लैट का कब्जा। b) रिवर्स मोर्टगेज स्कीम के तहत एक ग्रह संपत्ति का अन्य संक्रामण। c) किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों का NCLT द्वारा अनुमोदित अधिमानी शेयरों में परिवर्तन। d) ESOP के तहत कर्मचारी का कंपनी शेयरों का उपहार।
35.	A capital asset became the property of the assessee under a gift deed executed on 01/04/1991. It was acquired by the previous owner on 01/04/1981. However, the cost for which the previous owner acquired the property could not be ascertained. The cost of acquisition in this case would be: a) FMV as on 01/04/1981 b) FMV as on 01/04/1991 c) FMV as on 01/04/1981 or FMV as on 01/04/2001 at the option of the assessee d) FMV as on 01/04/1991 or FMV as on 01/04/2001 at the option of the assessee 01.04.1991 को निष्पादित उपहार विलेख के तहत एक पूँजीगत परिसंपत्ति निर्धारिती की संपत्ति बन गई। पूर्व स्वामी द्वारा इसका दिनांक 01.04.1981 को अर्जन किया गया था। हालाँकि, वह लागत जिस पर पूर्व स्वामी ने संपत्ति का अर्जन किया, का पता नहीं लगाया जा सका। इस मामले में अर्जन की लागत होगी– a) 01.04.1981 को उचित बाजार मूल्य। b) 01.04.1991 को उचित बाजार मूल्य। c) 01.04.1981 को उचित बाजार मूल्य या 01.04.2001 को उचित बाजार मूल्य निर्धारिती के विकल्प पर। d) 01.04.1991 को उचित बाजार मूल्य या 01.04.2001 को उचित बाजार मूल्य निर्धारिती के विकल्प पर
36.	Mr. Kapoor acquired a house property on 01/04/1991 for Rs.15 lakh to which he made certain improvements for Rs. 3 lakh during FY 1995-96. This property was gifted to his daughter on 01/04/2002 who made further improvements for Rs. 5 lakh during FY

	2003-04. She sold the property for Rs. 1 crore on 01/04/2022. The FMV and SDV of the property as on 01/04/2001 are Rs.40 lakh and Rs.35 lakh respectively. The cost of acquisition and the cost of improvement in this case (before giving the benefit of indexation) are: a) Rs. 15 lakh and Rs. 5 lakh respectively b) Rs. 35 lakh and Rs. 5 lakh respectively c) Rs. 40 lakh and Rs. 5 lakh respectively d) Rs. 40 lakh and Rs. 8 lakh respectively श्री कपूर ने दिनांक 01.04.1991 को रू. 15 लाख की एक गृह संपत्ति अर्जित की जिसके लिए उन्होंने वित्त वर्ष 1995-96 के दौरान रू. 3 लाख का सुधार कार्य किया। यह संपत्ति 01.04.2002 को उसकी बेटी को उपहार में दी गई, जिसमें वित्त वर्ष 2003-04 के दौरान रू. 5 लाख का और सुधार कार्य किया। उसने (बेटी) ने 01.04.2022 को रू. 1 करोड़ में इस संपत्ति को बेच दिया। 01.04.2001 को संपत्ति की उचित बाजार मूल्य और स्टॉम्प ड्यूटी मूल्य क्रमशः रू. 40 लाख और रू. 35 लाख है। इस मामले में अर्जन लागत और सुधार लागत (इंडेक्शेसन का लाभ देने से पूर्व) हैं - a) क्रमशः रू. 15 लाख और रू. 5 लाख। b) क्रमशः रू. 35 लाख और रू. 5 लाख c) क्रमशः रू. 40 लाख और रू. 5 लाख d) क्रमशः रू. 40 लाख और रू. 8 लाख
37.	Mr. Agarwal commenced a business of sale and purchase of used cars on 01/04/2020. He converted his personal car which was bought on 01/10/2017 as his stock-in-trade on 01/07/2020. He could sell this car on 01/10/2021 for a sizeable profit. In this case: a) STCG would arise during AY 2021-22 b) LTCG would arise during AY 2021-22 c) LTCG would arise during AY 2022-23 d) No capital gains would arise श्री अग्रवाल ने दिनांक 01.04.2020 को उपयोग की गई कारों के क्रय विक्रय का व्यवसाय शुरू किया। उसने 01.10.2017 को खरीदी गई अपनी निजी कार, 01.07.2020 को स्टॉक-इन-ट्रेड में परिवर्तित कर दिया। वह 01.10.2021 को बड़े लाभ पर इस कार को बेच पाया। इस मामले मे - a) निर्धारण वर्ष 2021-22 में STCG प्रभार्य होगा। b) निर्धारण वर्ष 2021-22 में LTCG प्रभार्य होगा। c) निर्धारण वर्ष 2022-23 में LTCG प्रभार्य होगा। d) कोई पूँजीगत लाभ प्रभार्य नहीं होगा।
38.	Which of the following statements is true in the case of a slump sale of an

	undertaking? a) Capital gains arising from a slump sale effected in a previous year shall be chargeable to tax in the year in which consideration is received b) Benefit of indexation will apply only if the period of holding of the undertaking is more than 36 months c) The full value of consideration is the higher of actual consideration received or fair market value of the undertaking on the date of transfer, whichever is higher d) The net worth of the undertaking shall be deemed to be the aggregate of the cost of acquisition and cost of improvement. निम्न कथन में से कौन सा कथन एक उपक्रम की मंदी विक्रय के मामले में सही है ? a) किसी पूर्व वर्ष के दौरान, मंदी विक्रय से जनित पूंजीगत लाभ पर उस वर्ष में कर प्रभार्य होगा, जिस वर्ष मे उसका भुगतान प्राप्त हो गया हो। b) इंडेक्सेशन का लाभ, तभी लागू होगा कि जब उपक्रम की धारण अवधि 36 महीनों से अधिक हो। c) अंतरण की तारीख को, उपक्रम के विक्रय के लिये वास्तविक प्राप्त मूल्य या उचित बाजार मूल्य में से जो भी अधिक हो, वह प्रतिफल का संपूर्ण मूल्य माना जाएगा। d) उपक्रम की शुद्ध मालियत, उसकी अर्जन लागत तथा सुधार लागत का जोड़ होगी
39.	Which of the following statements is true in the case of transfer of a capital asset being a land or building? a) If the sale price is more than Stamp Duty Value (SDV) but 110% of sale price is less than SDV, then the SDV would be deemed to be full value of consideration for computation of capital gains. b) If the sale price is less than Stamp Duty Value (SDV) and 110% of sale price is less than SDV, then the sale price would be deemed to be full value of consideration for computation of capital gains. c) If the dates of agreement and registration are different, the higher of SDV determined on such dates would be taken as SDV for the purpose of computing full value of consideration. d) If the FMV (Fair Market Value) ascertained by a Valuation Officer is more than SDV, then the SDV would be deemed to be full value of consideration for computation of capital gains. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भूमि या भवन संबंधी पूंजीगत परिसंपति के अंतरण के संबंध में सही है ? a) यदि बिक्री मूल्य स्टैम्प डयूटी मूल्य (एस.डी.वी) से अधिक हो लेकिन बिक्री मूल्य का 110% एस.डी.वी. से कम हो, तब पूंजीगत

	लाभ के अभिकलन हेतु स्टैम्प ड्यूटी मूल्य को पूर्ण मूल्य मान लिया जाएगा। b) यदि बिक्री मूल्य स्टैम्प ड्यूटी मूल्य (एस.डी.वी) से कम हो और बिक्री मूल्य का 110% एस.डी.वी. से कम हो, तब पूंजीगत लाभ के अभिकलन हेतु बिक्री मूल्य को पूर्ण मूल्य मान लिया जाएगा। c) यदि अनुबंध और पंजीकरण तिथियां अलग–अलग है, तो पूर्ण मूल्य के परिकलन के लिए दोनों तिथियों के उच्चतर एस.डी.वी. को स्टैम्प ड्यूटी मूल्य मान लिया जाएगा। d) यदि मूल्यांकन अधिकारी द्वारा तय किया गया एम.एम.वी स्टैम्प ड्यूटी मूल्य से अधिक हो, तब स्टैम्प ड्यूटी मूल्य को पूंजीगत लाभ में अभिकलन हेतु पूर्ण मूल्य मान लिया जाएगा।
40.	Which one of the following is true in respect of exemption u/s 54F? a) Amount of exemption is the excess of cost of new asset over the capital gain (before allowing exemption u/s 54) b) Amount of exemption is the excess of net sale consideration over the capital gain (before allowing exemption u/s 54) c) Amount of exemption is the proportion of capital gain (before allowing exemption u/s 54) as the net sale consideration bears to the cost of the new asset d) Amount of exemption is the proportion of capital gain (before allowing exemption u/s 54) as the cost of the new asset bears to the net sale consideration धारा 54F के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सही है ? a) पूंजीगत लाभ से जितना नई आस्ति का मूल्य अधिक होगा, उसे छूट राशि माना जाएगा (धारा 54 के तहत छूट अनुमत करने से पहले) b) पूंजीगत लाभ से जितना अधिक शुद्ध विक्रय मूल्य होगा, उसे छूट राशि माना जाएगा (धारा 54 के तहत छूट अनुमत करने से पहले) c) छूट राशि, पूंजीगत लाभ से उतने अनुपात में है (धारा 54 के तहत छूट अनुमत करने से पहले) जैसा कि शुद्ध प्रतिफल का नई आस्ति की अर्जन लागत से है d) छूट राशि, पूंजीगत लाभ से उतने अनुपात में है (धारा 54 के तहत छूट अनुमत करने से पहले) जैसा कि नई आस्ति की अर्जन लागत का शुद्ध प्रतिफल से है
41.	In order to claim deduction u/s 54EC (exemption from capital gains on investment in certain bonds such as bonds issued by NHAI, REC Ltd. etc.) in the case of transfer of a capital asset:

	a) The capital asset should be either non-agricultural land or building or both b) The period of holding of the capital asset, being land or building or both, should be more than 36 months c) The investment in specified asset should be made within 6 months before or after the date of transfer of the capital asset d) The investment in specified asset should be made before due date of filing ITR एक पूंजीगत परिसंपति के अंतरण के संबंध में 54EC के तहत कटौती का दावा करने के क्रम में (निश्चित बांड जैसे NHAI, REC लिमिटिड आदि के द्वारा जारी बांड में निवेश के रूप में प्राप्त पूंजीगत लाभ में छूट) a) पूंजीगत परिसंपति या तो गैर कृषिगत भूमि या भवन या दोनों होनी चाहिए b) पूंजीगत परिसंपति की होल्डिंग अवधि, चाहे भूमि या भवन या दोनों, 36 माह से अधिक होनी चाहिए c) विनिर्दिष्ट परिसंपति में निवेश परिसंपति के अंतरण की तिथि से 6 माह पूर्व या उसके 6 माह के भीतर होना चाहिए d) विनिर्दिष्ट परिसंपति में निवेश, आयकर विवरणी फाईल करने की तिथि से पूर्व होनी चाहिए
42.	Which of the following statements is true? a) When an asset is transferred under an irrevocable transfer without the actual transfer of asset, the income arising from the asset is chargeable to tax in the hands of the transferee b) When an asset is transferred under a revocable transfer, the income arising from the asset is chargeable to tax in the hands of the transferor whether or not there is actual transfer of the asset c) When an asset is transferred under a transfer which gives the transferor the right to re-assume ownership and control over only 25% of the asset, the income arising from the asset is chargeable to tax in the hands of the transferee d) When an asset is transferred under a transfer which is not revocable during the lifetime of the transferee, the income arising from the asset is chargeable in the hands of the transferee निम्न मे से कौन सा कथन सत्य है? a) जब कोई परिसंपति अपरिवर्तनीय अंतरण के तहत बिना किसी वास्तविक परिसंपति के अंतरण के तहत अंतरित होती है तो उस परिसंपति द्वारा उत्पन्न आय अंतरितिक के हाथ में कर प्रभार्य होती है b) जब कोई परिसंपति प्रतिसंहरणीय अंतरण के तहत अंतरित होती

	है, उस परिसंपति द्वारा उत्पन्न आय अंतरितिक के हाथ में प्रभार्य होती है चाहे वह परिसंपति का वास्तविक अंतरण हुआ हो या नहीं c) जब कोई परिसंपति किसी ऐसे अंतरण के तहत अंतरित होती है जिसके द्वारा अंतरक को केवल 25% तक ही परिसंपति पर अधिकार व नियंत्रण पुनः प्राप्त करने का अधिकार होता है तो उस परिसंपति से उत्पन्न आय अंतरिति के हाथ में प्रभार्य होती है। d) जब कोई संपति, जो अंतरिति के जीवनकाल तक रद्द करने योग्य नहीं होती है, वह किसी अंतरण के तहत अंतरित होती है तो उस संपति से उत्पन्न आय अंतरिति के हाथ में प्रभार्य होती है।
43.	Vide Finance Act, 2022, w.e.f. 01.04.2023 following amendments have been made in section 68 of the Income tax Act, 1961. 1. Provisions of section 68 will be applicable if any loan or borrowings found credited in the books of accounts and the person in whose name such amounts are credited offers no explanation or explanation offered is not satisfactory. 2. Provisions of section 68 will be applicable if any loan or borrowings found credited in the books of accounts and the person in whose name such amounts are credited offers no explanation or explanation offered is not satisfactory even though such person is Venture Capital Fund or Venture Capital Company. a) Only 1 is true b) Only 2 is true c) Both 1 and 2 are true d) Both 1 and 2 are false दिनांक 01.04.2023 के वित अधिनियम, 2022 द्वारा निम्नलिखित संशोधन आयकर अधिनियम, 1961 के भाग 68 मे किए गये :- 1. भाग 68 लागू होगा यदि कोई ऋण या उधारी बही खाते में जमा हुई पाई जाती है और उस बही खाते के व्यक्ति द्वारा उस जमा राशि के बारे में कोई विवरण नहीं दिया जाता या दिए गए विवरण असंतोषजनक होते हैं। 2. भाग 68 लागू होगा यदि कोई ऋण या उधारी बही खाते मे जमा होना पाया जाता है और उस बही खाते के व्यक्ति द्वारा उस जमा राशि के बारे में कोई विवरण नहीं दिया जाता या दिए गए विवरण असंतोषजनक हैं, यद्यपि ऐसा व्यक्ति जोखिम पूंजीगत लाभ या जोखिम पूंजीगत कंपनी है। a) केवल 1 सही है। b) केवल 2 सही है।

	c) दोनों 1 और 2 सही है। d) दोनों 1 और 2 गलत है।
44.	Match the following provisions and their sections: <table><tr><td>1</td><td>Deduction of employee's contribution</td><td>a</td><td>80CCD(3)</td></tr><tr><td>2</td><td>Deduction of Rs.50,000 for contribution in pension scheme</td><td>b</td><td>80CCD(2)</td></tr><tr><td>3</td><td>Deduction of employer's contribution</td><td>c</td><td>80CCD(1B)</td></tr><tr><td>4</td><td>Taxability of amount received from pension scheme</td><td>d</td><td>80CCD(1)</td></tr></table> a) 1-a, 2-d, 3-c, 4-b b) 1-b, 2-a, 3-d, 4-c c) 1-c, 2-b, 3-a, 4-d d) 1-d, 2-c, 3-b, 4-a निम्नलिखित प्रावधानों और उनकी धारा का मिलान करें। <table><tr><td>1</td><td>कर्मचारी के अंशदान से कटौती</td><td>a</td><td>80CCD(3)</td></tr><tr><td>2</td><td>पेंशन योजना मे अंशदान हेतु रू. 50,000/- की कटौती</td><td>b</td><td>80CCD(2)</td></tr><tr><td>3</td><td>नियोक्ता के अंशदान से कटौती</td><td>c</td><td>80CCD(1B)</td></tr><tr><td>4</td><td>पेंशन योजना से प्राप्त राशि पर कर देयता</td><td>d</td><td>80CCD(1)</td></tr></table> a) 1-a, 2-d, 3-c, 4-b b) 1-b, 2-a, 3-d, 4-c c) 1-c, 2-b, 3-a, 4-d d) 1-d, 2-c, 3-b, 4-a
45.	In the context of section 68 of the Income Tax Act 1961, in which of the following landmark judgments of the Apex Court, the Hon'ble court made an observation as "the practice of conversion of unaccounted money through the cloak of share capital/premium must be subject to careful scrutiny ". a) Sumati Dayal Vs. CIT 214 ITR801 (SC) b) Roshan Di Hatti Vs. CIT 107 ITR 938 (SC) c) NRA Iron & Steel (P) Ltd Vs. CIT 103 taxmann.com 48 (SC) d) A. Govindarajulu Mudaliar Vs. CIT 34 ITR 802 (SC)

	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 68 के संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के किस ऐतिहासिक निर्णय में न्यायालय ने यह टिप्पणी की कि "बेहिसाब धनराशि को शेयर पूंजी/प्रीमियम की आड़ में परिवर्तित करने की प्रथा की सावधानीपूर्वक समीक्षा होनी चाहिए" a) सुमति दयाल बनाम आयकर आयुक्त 214 ITR 801(SC) b) रोशन दी हट्टी बनाम आयकर आयुक्त 107 ITR 938(SC) c) एन आर ए आइरन एण्ड स्टील (प्रा0) लि0 बनाम आयकर आयुक्त 103 taxmann.com 48(SC) d) ए गोविन्दराजालु मुदालियर बनाम आयकर आयुक्त 34 ITR 802 (SC)
46.	During the course of a search action u/s 132 of the Income Tax Act 1961, it transpired that the assessee had paid Rs. 30.18 Lacs at the time of admission of his son for the MBBS course in a private college. The assesse, neither during the search action nor at the time of assessment proceedings could offer a credible explanation regarding the source of the sum of Rs. 30.18 Lacs. Under which of the following deeming provisions the AO may charge Rs. 30.18 Lacs to tax? a) Section 68 of the Income Tax Act b) Section 69 of the Income Tax Act c) Section 69A of the Income Tax Act d) Section 69C of the Income Tax Act आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 132 के तहत तलाशी के क्रम में यह पाया गया कि निर्धारिती ने अपने पुत्र के किसी प्राइवेट महाविद्यालय से एम.बी.बी.एस कोर्स में भर्ती करवाने के लिए रू. 30.18 लाख का भुगतान किया है। निर्धारिती ने न तो तलाशी प्रक्रिया के दौरान और न ही निर्धारण कार्यवाही के समय रू. 30.18 लाख की राशि के स्रोत के संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण दिया। निम्नलिखित किस धारणा उपबंध के तहत निर्धारण अधिकारी रू. 30.18 लाख को कर के लिए प्रभार्य कर सकता है? a) आयकर अधिनियम की धारा 68 b) आयकर अधिनियम की धारा 69 c) आयकर अधिनियम की धारा 69A d) आयकर अधिनियम की धारा 69C
47.	During the course of a survey operation u/s 133A of the Income Tax Act 1961 in the business premises of M/s SD Enterprises, a partnership Firm, cash to the tune of Rs. 25 Lacs were found, which was not recorded in the regular books of accounts of the assessee. The partner of the firm also could not offer any satisfactory explanation about the said sum of money. The Assessing Officer while making the assessment order added the sum of Rs. 25 Lacs u/s 69A of the Income Tax Act 1961and levied tax u/s 115BBE of the Income Tax Act 1961.The Assessing Officer also allowed setoff of Rs. 5 Lacs as brought forward unabsorbed depreciation u/s 32(2) of the Income Tax Act 1961.

	As an Income Tax Officer of IAP team, against which of the following actions of the Assessing Officer you may raise an Audit objection: a) Deemed addition u/s 69A of the Income Tax Act b) Levying of tax u/s 115BBE of the Income Tax Act 1961 c) Allowing brought forward unabsorbed depreciation u/s 32(2) of the Income Tax Act 1961. d) All of the above आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 133A के तहत मेसर्स एस.डी. इन्टरप्राइजेज एक भागीदारी फर्म, के व्यापरिक परिसर में सर्वे कार्यवाही के दौरान रू. 25 लाख नकद राशि पायी गई जो निर्धारिती के बही–खातों में अभिलिखित नहीं थी। फर्म में भागीदार ने भी उक्त राशि के संबंध में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया। निर्धारण आदेश तैयार करते समय निर्धारण अधिकारी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 69A के तहत रू. 25 लाख की राशि को जोड़ दिया और अधिनियम की धारा 115BBE के तहत कर अधिरोपित किया। निर्धारण अधिकारी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 32(2) के तहत अग्रणीत असमंजित मूल्यह्रास के रूप में रू. 5 लाख को समायोजित करने की अनुमति दी। आई.ए.पी टीम के एक आयकर अधिकारी के रूप में निर्धारण अधिकारी के निम्नलिखित किस कार्य पर आय लेखापरीक्षा आपत्ति दर्ज करेंगे ? a) आयकर अधिनियम की धारा 69A के तहत मानित जोड़। b) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115BBE के तहत कर–अधिरोपण c) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 32(2) के तहत असमंजित मूल्यह्रास के अग्रणीत करने की अनुमति। d) उपरोक्त सभी।
48.	The assessee purchased certain shares at value much less than the prevailing market price and recorded the same in his books of accounts with adequate explanation about the sources of such investment to the satisfaction of th AO. The Assessing Officer however proposes to add the difference of purchase cost and market price of the shares u/s 69B of the Income Tax Act 1961.Which one of the options will be the correct decision of the AO ? a) The Assessing Officer can resort to section 69B of the Income Tax Act 1961 by adding the difference between purchase price and market price b) The difference between the amount expended and the amount recorded in the books of accounts can only be assessed under section 69B of the Income Tax Act 1961 c) Both (a) and (b) can be resorted to d) None of the above

	किसी निर्धारिती ने चालू बाजार मूल्य से कम मूल्य पर कुछ शेयर खरीदे तथा निवेश के स्रोत के संबंध में समुचित स्पष्टीकरण के साथ उसे अपने बही–खातों में दर्ज किया जिससे निर्धारण अधिकारी संतुष्ट हैं। यद्यपि निर्धारण अधिकारी का प्रस्ताव है कि शेयरों की लागत मूल्य और बाजार मूल्य के अंतर को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 69B के तहत जोड़ दिया जाए। निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा विकल्प निर्धारण अधिकारी का सही निर्णय होगा ? a) निर्धारण अधिकारी लागत मूल्य और बाजार मूल्य के अंतर को जोड़ते हुए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 69B का प्रयोग कर सकते है। b) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 69B के तहत केवल व्ययित राशि और लेखा–बहियों में दर्ज राशि के अंतर का निर्धारण किया जा सकता है। c) (a) और (b) दोनों का प्रयोग किया जा सकता है। d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
49.	Mr. Ravi works in a technology company. On 1st January 2022, he took a loan of Rs 5,00,000 from his company for the education of his daughter. During the previous year 2022-23, he paid an interest of Rs 50,000 towards the said loan. For the purpose of section 80E of the Income tax Act 1961 how much deduction he will be eligible for? a) Rs 5,00,000/- b) Rs 50,000/- c) No deduction can be claimed, as loan is not taken from prescribed authorities d) Deduction u/s 80E is not available for relatives श्रीमान रवि एक तकनीकी कंपनी में कार्यरत है। उन्होंने अपनी सुपुत्री की शिक्षा के लिए अपनी कंपनी से 01 जनवरी 2022 को रू. 5,00,000/– का ऋण लिया। पूर्ववर्ती वर्ष 2022–23 में उन्होंने इस ऋण के ब्याज के रूप में रू. 50,000/– का भुगतान किया। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80E के प्रावधान के तहत वे कितनी राशि की कटौती के हकदार होंगे ? a) रू. 5,00,000/– b) रू. 50,000/– c) चूंकि यह ऋण विहित अधिकरणों से नहीं ली गई है, इसलिए कोई कटौती नहीं ली जा सकती है। d) संबंधियों के लिए धारा 80E के तहत कटौती उपलब्ध नहीं है।
50.	When a person suffers from severe disability, the quantum of deduction allowable under Section 80U is ? a) Rs 5,00,000

	b) Rs 75,000 c) Rs 1, 25,000 d) Rs 1, 50,000 यदि कोई व्यक्ति अत्यंत निःशक्त है तो धारा 80U के तहत अनुमत्य कटौती हैः– a) रू. 5,00,000/– b) रू. 75,000/– c) रू. 1,25,000/– d) रू. 1,50,000/–
51.	When a new domestic manufacturing co-operative society as specified in section 115 BAE (4), during the year commencing from 1/4/2024, is involved in/ arranged for, a transaction of more than Rs.20 crore with such other person having close connections, on account of which there arise more than the ordinary profit, then: a) Application of section 92CA is attracted b) Not falls under specified category in section 92BA c) The transaction involves section 92BA d) Both (a) and (c) are true धारा 115BAE (4), के तहत विनिर्दिष्ट एक नई घरेलु सहकारी उत्पादन सोसाइटी 01 अप्रैल 2024 से शुरू हुए वर्ष में, जब नजदीकी संबंध वाले किसी अन्य व्यक्ति से रू. 20 करोड़ से अधिक की राशि के संव्यवहार में संलिप्त होती है, जिसके फलस्वरूप असाधारण लाभ होता हो, तब :– a) धारा 92CA के प्रावधान लागू होंगे। b) धारा 92BA के तहत विनिर्दिष्ट वर्ग में नहीं आएगा। c) यह संव्यवहार धारा 92BA को शामिल करता है। d) (a) और (c) दोनों सही हैं।
52.	During the F.Y 2020-21, a foreign company ‘A’ Ltd., having permanent establishment in India engaged in a business other than banking or Insurance borrows a sum of Rs. 50 Crore as loan from ‘B’ ltd., a non-resident company being an associated enterprise of ‘A’ Ltd. The earnings of the borrower ‘A’ Ltd., before interest, taxes, depreciation and amortisation (EBITDA) is Rs. 10 Crore in the relevant previous year and the interest paid or payable by ‘A’ Ltd., to ‘B’ Ltd is Rs. 5 Crore. In this situation, how much of interest expense out of the above-mentioned transaction is deductible in the computation of the business income of ‘A’ Ltd.? a) Rs. 2 Crore b) Rs. 3 Crore

c) Rs. 1 Crore
d) Rs. 2.5 Crore

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, एक विदेशी कंपनी 'A' लिमिटेड जिसका भारत में स्थाई स्थापन है और बैंकिंग या बीमा के अतिरिक्त किसी अन्य व्यापार में संलिप्त है, ने 'B' लिमिटेड जो एक अनिवासी कंपनी है और 'A' लिमिटेड की सहयुक्त इकाई है, से रू. 50 करोड़ का ऋण लेती हैं। ऋणी कंपनी 'A' लिमिटेड की सुसंगत पूर्ववर्ती वर्ष में ब्याज, कर, मूल्यह्रास और अपाकरण (एबिडटा) से पूर्व आमदनी रू. 10 करोड़ है और 'A' लिमिटेड द्वारा 'B' लिमिटेड भुगतान करने योग्य ब्याज रू. 5 करोड़ है। इस स्थिति में 'A' लिमिटेड के व्यापार आमदनी के आंकलन में उपरोक्त संव्यवहार में से कितना ब्याज खर्च कटौती योग्य है:–

a) रू. 2 करोड़
b) रू. 3 करोड़
c) रू. 1 करोड़
d) रू. 2.5 करोड़

53. Under which provision of Income Tax Act 1961 it is provided that the central government may enter into an agreement with the Government of any country outside India for the purpose of exchange of information for the prevention of evasion or avoidance of income tax chargeable under the Income Tax Act. 1961 or under the corresponding law in force in that country?

a) Section 90(1)(a)
b) Section 9(1)
c) Section 90(1)(c)
d) Section 90(1)(d).

आयकर अधिनियम, 1961 के किस प्रावधान में यह उल्लेख है कि केन्द्रीय सरकार किसी भी अन्य देश से आयकर अधिनियम, 1961 या उस देश में लागू सदृश कानून के तहत आयकर के परिवर्जन या अपवंचन को रोकने हेतु सूचनाओं के आदान–प्रदान के उद्देश्य से समझौता कर सकती है ?

a) धारा 90(1)(a)
b) धारा 9(1)
c) धारा 90(1)(c)
d) धारा 90(1)(d)

54. Consider the following two statements with regard to tax on long term capital gain in certain cases referred to in section 112A of Income Tax Act 1961.

A. The capital gains arise from the transfer of long term capital asset being an equity share in a company or a unit of an equity oriented fund or a unit of

	business trust. B. The amount of Income tax calculated on such long term capital gains exceeding 2 lakh rupees shall be at the rate of 10%. Choose the correct option: a) Both statements are correct. b) Only statement (A) is correct. c) Only statement (B) is correct. d) Neither statement (A) nor statement (B) is correct. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 112A में उल्लिखित दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के कतिपय मामलों के संदर्भ में निम्नलिखित दो अभिकथनों पर विचार करें । A. किसी कंपनी में इक्विटी शेयर या किसी इक्विटी उन्मुख फंड की एक इकाई या किसी व्यापारिक न्यास की एक इकाई के रूप में दीर्घकालिक पूंजीगत आस्ति के अंतरण पर पूंजीगत लाभ प्रभारित होता है। B. रू. 2 लाख से अधिक किसी ऐसे पूंजीगत लाभ पर आयकर की गणना 10% की दर से होगी। सही विकल्प का चयन करें:– a) दोनों अभिकथन सही है। b) केवल अभिकथन (A) सही है। c) केवल अभिकथन (B) सही है। d) न तो अभिकथन (A) सही है न ही अभिकथन (B) सही है।
55.	As per section 111 of Income Tax Act 1961 read with rule 8 of schedule IV aap Income Tax Act 1961, the accumulated balance due and becoming payable to an employee participating in a recognised provident fund shall be excluded from the computation of his total income : a) if he has rendered continuous service with his employer for a period of 3 years or more. b) If, though he has not rendered prescribed number of continuous years of service , the service has been terminated by the reasons such as employee's ill health or by the discontinuation of the business or other cause beyond the control of the employee. c) Both option (a) and option (b). d) Neither option (a) nor option (b). आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 111 सहपठित आयकर अधिनियम, 1961 के परिशिष्ठ IV के नियम 8 के अनुसार एक मान्य भविष्य निधि के सदस्य के रूप में किसी कर्मचारी का संचित एवं भुगतान योग्य शेष को कुल आय की गणना में शामिल नहीं

	किया जाएगा :– a) यदि उसने नियोक्ता के पास 3 वर्ष या उससे अधिक समय तक लगातार सेवा की है। b) यद्यपि कर्मचारी ने निर्दिष्ट वर्षों तक लगातार सेवा नहीं की है कर्मचारी ने खराब स्वास्थ्य या व्यापार के बंद होने या किसी अन्य कारण, जो कर्मचारी के नियंत्रण में न हो, के कारण उसकी सेवा समाप्त हो गई है। c) विकल्प (a) और (b) दोनों d) विकल्प (a) और (b) में से कोई नहीं
56.	Consider the following two statements with regard to impermissible avoidance arrangement referred to in section 96 of Income Tax Act 1961. A. The impermissible avoidance arrangement results, directly or indirectly, in the misuse, or abuse, of the provisions of Income Tax Act 1961. B. The impermissible avoidance agreement does not create rights or obligations which are not ordinarily created between persons dealing at arm's length. Choose the correct option: a) Both statements are correct. b) Only statement (A) is correct. c) Only statement (B) is correct. d) Neither statement (A) nor statement (B) is correct. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 96 में उल्लिखित अननुज्ञेय परिवर्जन समझौता के संबंध में निम्नलिखित दो अभिकथनों पर विचार करें:– A. अननुज्ञेय परिवर्जन व्यवस्था आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, अनुचित प्रयोग या दुरूप्रयोग का कारण बनती है। B. अननुज्ञेय परिवर्तन समझौता ऐसे अधिकार अथवा दायित्व स्थापित नहीं करता, जो आसन्निकट व्यापार करते हुए व्यक्तियों के बीच सामान्यतः स्थापित नहीं होते। सही विकल्प का चुनाव करें:– a) दोनों अभिकथन सही है। b) केवल अभिकथन (A) सही है। c) केवल अभिकथन (B) सही है। d) न तो अभिकथन (A) सही है ना ही अभिकथन (B) सही है।
57.	Consider the following two statements with regard to advance pricing agreement referred to in section 92CC of Income Tax Act 1961. A. The advance pricing agreement shall be valid for such period not exceeding

	three consecutive previous years as may be specified in the agreement. B. The advance pricing agreement entered into shall be binding on the (Principal Commissioner) or Commissioner and the income tax authorities subordinate to him in respect of the said person and the said transaction. Choose the correct option: a) Both statements are correct. b) Only statement (A) is correct. c) Only statement (B) is correct. d) Neither statement (A) nor statement (B) is correct. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 92CC में संदर्भित अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता के संबंध में निम्नालिखित दो अभिकथनों पर विचार करें:– A. अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता उस अवधि तक वैध रहेगा जो लगातार तीन पूर्ववर्ती वर्षों से अधिक नहीं हो और जैसा समझौते में वर्णित हो। B. उस व्यक्ति तथा उस संव्यवहार के संबंध में किया गया अग्रिम मूल्य–निर्धारण समझौता प्रधान आयकर आयुक्त या आयकर आयुक्त तथा उनके अधीनस्थ आयकर प्राधिकारियों पर बाध्यकारी होगा। सही विकल्प का चयन करें:– a) दोनों अभिकथन सही है। b) केवल अभिकथन (A) सही है। c) केवल अभिकथन (B) सही है। d) न तो अभिकथन (A) सही है ना ही अभिकथन (B) सही है।
58.	When can an assessing officer may proceed to determine the arms length price in relation to the sub section (1) and (2) of section 92C of Income Tax Act 1961? a) If the assessing officer is, on the basis of material or information or document in his possession , of the opinion that the price charged or paid in an international transaction (or specified domestic transaction) has not been determined in accordance with subsections (1) and (2) of section C of Income Tax Act 1961. b) If the assessing officer is on the basis of material or information or document in his possession of the opinion that the information or data used in computation of arm's length price is not reliable or correct. c) Both option (a) and option (b) are correct. d) None of the above. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 92C की उपधारा (1) और (2) के संबंध में, निर्धारण अधिकारी आसन्निकट मूल्य – निर्धारण की कार्यवाही कब शुरू कर सकता है?

	a) यदि निर्धारण अधिकारी अपने अभिरक्षाधीन सामग्री, सूचना या अभिलेखों के आधार पर यह राय बनाता है कि किसी अंतर्राष्ट्रीय संव्यवहार (अथवा निर्दिष्ट घरेलु संव्यवहार) में भुगतान मूल्य या प्रभार्य मूल्य का निर्धारण आयकर अधिनियम, 1961 के खण्ड C की उपधारा (1) और (2) के अनुरूप नहीं है। b) यदि निर्धारण अधिकारी, अपने अभिरक्षाधीन सामग्री, सूचना या अभिलेखों के आधार पर यह राय बनाता है कि आसन्निकट मूल्य की गणना में प्रयुक्त सूचना या डेटा विश्वसनीय अथवा सही नहीं है। c) विकल्प (a) और (b) दोनों सही है d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
59.	Which of the following shall not be considered as specified domestic transaction? a) Any transaction referred to in section 80A b) Royalty on patents referred to in section 80 RRB. c) Any transfer of goods or services referred to in subsection 8 of section 80-IA. d) None of the above. निम्नलिखित में से किसे विनिर्दिष्ट घरेलु संव्यवहार नहीं माना जाएगा ? a) धारा 80A में उल्लिखित कोई संव्यवहारे b) धारा 80RRB में उल्लिखित पटेंट पर रोयल्टी। c) कोई भी वस्तु या सेवाओं का स्थानांतरण धारा 80-IA की उपधारा 8 के तहत किसी भी माल या सेवाओं का अंतरण d) उपरोक्त में से कोई नहीं
60.	In the course of search operations under section 132 in the month of May, 2023, Mr. Rajesh makes a declaration under section 132(4) on the earning of income not disclosed in respect of Previous Year 2022-23. He also explains the manner in which he has derived such income and he pays the tax together with interest on such income and declares such income in the return of income filed by him in the month of July, 2023. Is penalty leviable in this case? If so, how much? a) No penalty is attracted since Mr. Rajesh has voluntarily made a declaration under section 132(4) b) Yes; Penalty@10% of undisclosed income would be attracted even if Mr. Rajesh has voluntarily made a declaration under section 132(4) c) Yes; Penalty@30% of undisclosed income would be attracted even if Mr. Rajesh has voluntarily made a declaration under section 132(4) d) Yes; Penalty@60% of undisclosed income would be attracted even if Mr. Rajesh has voluntarily made a declaration under section 132(4) मई 2023 के धारा 132 के तहत संचालन खोज पाठ्क्रम में श्री राजेश धारा 132(4) के तहत घोषणा करते है कि आय का अर्जन पिछले

	वर्ष 2022-23 मे दिखाया नहीं गया है। वह तरीका भी बताता है जिसमें वह ऐसे आय को प्राप्त करता है और वह ब्याज के साथ ऐसे आय पर कर भी चुकाता है और जुलाई 2023 में आय की विवरणी दाखिल करने पर ऐसे आय प्राप्ति की भी घोषणा करता है। क्या इस मामला में जुर्माना उगाही है ? अगर है, तो कितना ? a) धारा 132(4) के तहत श्री राजेश के स्वैच्छिक घोषणा पर कोई भी जुर्माना नहीं लिया जाएगा। b) हाँ, अप्रकट आय पर @ 10% की दर से जुर्माना लिया जाएगा, भले ही श्री राजेश धारा 132(4) के तहत स्वेच्छा से घोषणा किया हो। c) हाँ, अप्रकट आय पर @ 30% की दर से जुर्माना लिया जाएगा, भले ही श्री राजेश धारा 132(4) के तहत स्वेच्छा से घोषणा किया हो। d) हाँ, अप्रकट आय पर @ 60% की दर से जुर्माना लिया जाएगा, भले ही श्री राजेश धारा 132(4) के तहत स्वेच्छा से घोषणा किया हो।
61.	Which of the following statements are correct in relation to the power of an income-tax authority to collect information u/s 133B which may be useful for the purposes of the Income-tax Act, 1961? i) The Income-tax authority can enter the place of business of the assessee only after sunrise and before sunset. ii) The Income-tax authority may enter the place of business only during the hours at which such place is open for conduct of business. iii) The Income-tax authority may impound and retain in his custody, for a period not exceeding 15 days, books of account or other documents inspected by him. If he wishes to retain for a period exceeding 15 days, he has to take the prior approval of Principal Chief Commissioner or Chief Commissioner. iv) The Income-tax authority shall, on no account remove or cause to be removed from the building or place he has entered any books of account, documents or any cash, stock or other valuable article or things. a) (i) & (iv) b) (ii) and (iv) c) (iii) and (iv) d) (ii) and (iii) धारा 133B के तहत सूचना इकट्ठा करने मे आयकर प्राधिकारी के शक्ति से संबंधित निम्न मे से कौन सा कथन सही है, जो कि आयकर अधिनियम 1961 के लिए उपयोगी है। i) आयकर प्राधिकारी करदाता के व्यवसाय के स्थान पर केवल सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त से पहले जा सकते है। ii) आयकर प्राधिकारी करदाता के व्यवसाय के स्थान पर केवल उसी समय जा सकते है, जब वह स्थान व्यवसाय के लिए खुला हो। iii) आयकर प्राधिकारी कोई भी दस्तावेज या लेखाबही जो उसके द्वारा

	जांच की गई हो उसे 15 दिनों से अधिक अपने निगरानी मे या जब्त में रख नहीं सकता। अगर वह इसे 15 दिनों से अधिक अपने पास रखना चाहता है, तो उसे प्रधान मुख्य आयुक्त या मुख्य आयुक्त से पूर्व अनुमोदन लेना होगा iv) आयकर प्राधिकारी जिस भवन या स्थान में गए है उस स्थान से कोई भी खाता बही, दस्तावेज, कोई नकद, स्टॉक या कोई भी कीमती वस्तु को नहीं हटाया जाएगा। a) (i) और (iv) b) (ii) और (iv) c) (iii) और (iv) d) (ii) और (iii)
62.	Under section 132(9A), What is the time limitation for handing over a seized asset by the authorized officer to the assessing officer having jurisdiction. a) Within a period of 30 days from the date on which the last authorisation for search was executed. b) Within a period of 60 days from the date on which the last authorisation for search was executed. c) Within a period of 90 days from the date on which the last authorisation for search was executed. d) Within a period of 45 days from the date on which the last authorisation for search was executed. धारा 132(9A) के तहत प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जब्त की गई संपत्ति को निर्धारण अधिकारी के क्षेत्राधिकार मे सौपने की समय सीमा क्या है ? a) अंतिम प्राधिकरण जांच के निष्पादन की तिथि से 30 दिनों के भीतर। b) अंतिम प्राधिकरण जांच के निष्पादन की तिथि से 60 दिनों के भीतर। c) अंतिम प्राधिकरण जांच के निष्पादन की तिथि से 90 दिनों के भीतर। d) अंतिम प्राधिकरण जांच के निष्पादन की तिथि से 45 दिनों के भीतर।
63.	Section 117 empowers the _________________ to appoint such persons as it thinks fit to be Income-tax authorities. a) Principal Directors-General of Income tax (PDGIT) b) Director-General of Income Tax (DGIT) c) Central Government d) Chairman, CBDT

	धारा 117 ------- को ऐसे व्यक्ति नियुक्त करने की शक्ति प्रदान करती है, जो आयकर प्राधिकारी के लिए उचित हो। a) प्रधान आयकर महानिदेशालय (प्र.आ.महा.नि.) b) आयकर महानिदेशालय (आ.महा.नि.) c) केन्द्रीय सरकार d) अध्यक्ष, के.प्र.क.बो.
64.	Under section 119, a belated application for supplementary claim of refund can be admitted for condonation provided subject to fulfilment of the below mentioned conditions: i) The income of the assessee is not assessable in the hands of any other person under any of the provision of the act. ii) No interest will be admissible on belated claims of refund. iii) The refund has arisen as a result of excess tax deducted/ collected at source and/or advance tax payment. iv) The refund has arisen as a result of excess payment of self-assessment tax as per the provision of income tax act. Choose the correct option :- a) (i) and (ii) b) (iii) and (iv) c) (ii), (iii) and (iv) d) (i), (ii), (iii) and (iv) धारा 119 के तहत प्रतिदाय के अनुपूरक दावा के लिए विलंब से आए आवेदन के लिए निम्नलिखित शर्तों के तहत माफी दी जा सकती है। i) अधिनियम के किसी भी प्रावधान के तहत करदाता की आय का निर्धारण किसी दूसरें व्यक्ति के हाथों मे नहीं होता है। ii) प्रतिदाय के लिए विलंब के दावों के भुगतान पर कोई भी ब्याज स्वीकार्य नहीं है। iii) अतिरिक्त कर कटौती/स्रोत से एकत्रित और/या अग्रिम कर भुगतान के परिणामस्वरूप धन वापस होगा। iv) आयकर अधिनियम के प्रावधान के तहत स्वयं कर निर्धारण के अतिरिक्त भुगतान के फलस्वरूप धन वापस होगा। सही विकल्प का चयन करें:– a) (i) और (ii) b) (iii) और (iv) c) (ii), (iii) और (iv) d) (i), (ii), (iii) और (iv)
65.	Scheme Formulated under section 135A to impart greater efficiency transparency and accountability by i) Eliminating the interface between the income tax authority or any other person

	to the extent technologically feasible. ii) Optimising utilisation of resources through economies of scale. iii) Introducing a team-based exercise of powers including to call for, or to collect, or process or utilise the information. iv) Eliminating professional interaction with Income tax authority Choose the correct option :- a) (i) and (ii) b) (ii) and (iii) c) (iii) and (iv) d) (i), (ii) & (iii) धारा 135A के तहत तैयार की गई योजना किस प्रकार अधिक दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायिता प्रदान करती हैः– i) जहां तक तकनीकी रूप संभव हो, आयकर प्राधिकारी या किसी व्यक्ति के बीच परस्पर सीधे संपर्कि को हटाकर। ii) बहुलता की मित्वयिता (मित्वययिता) के माध्यम से संसाधनों का इष्टतम प्रयोग सुनिश्चित करके। iii) सूचना मांगने या एकत्रित करने या संसाधित करने या प्रयुक्त करने की शक्तियों सहित, शक्तियों के गेम आधारित प्रयोग से। iv) आयकर प्राधिकारी से पेशेवर व्यक्तियों की सीधी भेंट को हटाकर। सही विकल्प का चयन करेंः– a) (i) और (ii) b) (ii) और (iii) c) (iii) और (iv) d) (i), (ii) और (iii)
66.	When the condonation application for claim of refund/loss is above 3 Crore for any one Assessment Year, then which income tax authority has power of acceptance/ rejection vested. a) Principal CIT or CIT b) CCIT c) Principal CCIT d) CBDT जब किसी एक निर्धारण वर्ष के लिये रू. 3 करोड़ से अधिक के रिफंड/हानि के दावे का माफी आवेदन हो तो किस आयकर प्राधिकारी के पास इन्हें स्वीकार/अस्वीकार करने की शक्ति निहित है ? a) प्रधान आयकर आयुक्त या आयकर आयुक्त b) मुख्य आयकर आयुक्त c) प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त

	d) केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
67.	Who is required to file return of income compulsorily? a) Assessee whose total income is less than amount not chargeable to tax but electricity charges paid in the previous year is more than ₹ 1 lakhs. b) Assessee whose total income is less than amount not chargeable to tax but amount incurred for foreign travel in the previous year is more than ₹ 1 lakhs. c) Assessee whose total income is less than amount not chargeable to tax but the deposit in one or more savings bank account of the person, in aggregate, is ₹ 1 lakh or more during the previous year d) Assessee whose total income is less than amount not chargeable to tax but his total gross receipts in profession exceeds ₹ 1 lakh rupees during the previous year. किसके लिए आयकर विवरणी दाखिल करना अनिवार्य है ? a) निर्धारिती जिसकी कुल आय कर योग्य आय से कम है लेकिन पिछले वर्ष मे बिजली बिल का भुगतान 1 लाख रू. से अधिक हो। b) निर्धारिती जिसकी कुल आय कर योग्य आय से कम है लेकिन पिछले वर्ष मे विदेश यात्रा पर हुआ खर्च 1 लाख रू. से अधिक हो। c) निर्धारिती जिसकी कुल आय कर योग्य आय से कम है लेकिन पिछले वर्ष में व्यक्ति के एक या एक से अधिक बैंक खातों में समग्र जमा राशि 1 लाख रू. या उससे अधिक हो। d) निर्धारिती जिसकी कुल आय कर योग्य आय से कम है लेकिन पिछले वर्ष पेशे से उसकी कुल आय 1 लाख रू. से अधिक हो।
68.	Which of the following is true about Additional Income tax payable on filing updated return : a) Additional Income tax is 100% of the aggregate tax and interest payable b) Additional Income tax is 10% of the aggregate tax and interest payable if filed within 12 months after the relevant assessment year c) Additional Income tax is 25% of the aggregate tax and interest payable if filed after 12 months after the relevant assessment year d) Additional Income tax is 50% of the aggregate tax and interest payable if filed after 12 months after the relevant assessment year अद्यतन आयकर विवरणी दाखिल करने पर भुगतान योग्य अतिरिक्त आयकर के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है ? a) अतिरिक्त आयकर, भुगतान–योग्य सकल कर और ब्याज का

	100% है। b) अतिरिक्त आयकर, भुगतान–योग्य सकल कर और ब्याज का 10% है, यदि सुसंगत निर्धारण वर्ष के उपरांत 12 महीने के अंदर दाखिल की गई हो। c) अतिरिक्त आयकर, भुगतान–योग्य सकल कर और ब्याज का 25% है, यदि सुसंगत निर्धारण वर्ष के उपरांत 12 महीने के बाद दाखिल की गई हो। d) अतिरिक्त आयकर, भुगतान–योग्य सकल कर और ब्याज का 50% है, यदि सुसंगत निर्धारण वर्ष के उपरांत 12 महीने के बाद दाखिल की गई हो।
69.	When, in the course of an assessment, the AO makes a reference to the valuation officer u/s 142A, the report shall be submitted by the Valuation Officer within a period of ——— a) One year from the end of the month in which reference is made. b) One year from the end of the year in which reference is made. c) 6 months from the end of the month in which reference is made. d) 6 months from the end of the year in which reference is made. निर्धारण के दौरान, जब निर्धारण अधिकारी धारा 142A के तहत मूल्यांकन अधिकारी को मामला संदर्भित करता है तो मूल्यांकन अधिकारी को .... अवधि के अंदर रिपोर्ट दाखिल करना होगा। a) माह, जिसमें संदर्भित हुआ है, की समाप्ति से एक वर्ष b) वर्ष, जिसमें संदर्भित हुआ है, की समाप्ति से एक वर्ष c) माह, जिसमें संदर्भित हुआ है, की समाप्ति से 6 माह d) वर्ष, जिसमें संदर्भित हुआ है, की समाप्ति से 6 माह
70.	Interest on compensation or enhanced compensation is taxable in the year of receipt as per section: a) 145B(1) b) 56(1) c) 145(1) d) 56A(1) धारा –––– के अनुसार क्षतिपूर्ति या बढ़ी हुई क्षतिपूर्ति पर ब्याज प्राप्ति होने वाले वर्ष में कर–योग्य है :– a) 145B(1)

	b) 56(1) c) 145(1) d) 56A(1)
71.	Mr. Rajesh is named as a trustee in an instrument in writing of a Trust named M/s RajMoj Samaj Sudarak Sanstha and in the "Object clause" in this instrument, the trust is specified as constituted for charitable purposes. However, the instrument was not duly executed. Mr. Rajesh is entitled to receive an income of Rs. 3 lakhs on behalf of another person, Mr Manoj, under the said trust. In the aforementioned facts, which of the following is correct approach of taxation under Income-tax Act, 1961 : a) The income is not chargeable in the hands of Rajesh as it is not his income. b) The income is chargeable in the hands of Mr. Manoj at the rate of his individual slabs as per scheme of taxation opted. c) The income is exempt as M/s RajMoj Samaj Sudarak Sanstha is a charitable trust. d) The income is taxable in the hands of Mr. Rajesh and it will be charged at maximum marginal rate. मैसर्स राजमोज समाज सुधारक संस्था नामक एक न्यास लिखत में श्रीमान राजेश को न्यासी के रूप मे नामित किया गया और इस लिखत के 'प्रयोजन खण्ड' मे न्यास को धमार्थ उद्देश्यों के लिए गठित विनिर्दिष्ट किया है। यद्यपि इस लिखत को विधिवत निष्पादित नहीं किया गया। न्यास के तहत श्रीमान राजेश रू. 3 लाख की आय किसी दूसरे व्यक्ति श्रीमान मनोज के स्थान पर प्राप्त करने के अधिकारी हैं। उपर वर्णित तथ्यों के आलोक में, निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कराधान की सही पद्धति होगी ? a) राजेश की आय के रूप में प्रभार्य नहीं है क्योंकि यह उसकी आय नहीं है। b) श्री मनोज की आय के रूप में उनके द्वारा चयन की गई कराधान स्कीम के अनुसार व्यक्तिगत स्लैब दर से प्रभार्य है। c) आय पर छूट प्राप्त है क्योंकि मैसर्स राजमोज समाज सुधार संस्था एक धमार्थ न्यास है। d) श्रीमान राजेश की आय के रूप में कर–प्रभार्य है और यह अधिकतम सीमांत दर से प्रभार्य होगा।
72.	The AO in a case invokes sec 144 and proceeds to frame assessment to the best of her judgment after giving assessee an opportunity in form of Show-cause Notice. As per the Act, which of the following failure of the assessee could stand-alone justify framing of assessment u/s 144 of the Act in a case:

	a) The assessee having failed to make return as required u/s 139(1) but filed return only after notice u/s 148 was issued. b) The assessee having failed to comply with directions u/s 142(2A) of the Act issued after following due procedure. c) The assessee having filed evidence and information in responses to 5 out of 6 specific questions/requirements raised in the notice u/s 142(1) while failed to furnish the details in respect of 6th question. d) Both (b) as well (c) above किसी मामले में निर्धारण अधिकारी धारा 144 का अवलंब लेते हुए निर्धारिती को कारण बताओ नोटिस के रूप में अवसर देने के बाद अपने सर्वोतम विवेकबुद्धि के अनुसार निर्धारण कार्यवाही करते है। अधिनियम के अनुसार, निर्धारिती की निम्नलिखित में से कौन सी विफलता अधिनियम की धारा 144 के तहत निर्धारण को एकल रूप से न्यायोचित ठहरा सकता है। a) निर्धारिती ने धारा 139(1) के तहत विवरणी दाखिल करने में विफल होने पर धारा 148 के तहत नोटिस जारी होने के बाद विवरणी दाखिल किया हो। b) निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए अधिनियम की धारा 142(2A) के तहत जारी निर्देशों के अनुपालन में निर्धारिती विफल हुआ हो। c) निर्धारिती ने धारा 142(1) के तहत जारी नोटिस मे विनिर्दिष्ट 6 प्रश्नों/आवश्यकताओं मे से 5 के उतर में साक्ष्य और सूचनाए दाखिल की हो जबकि छठे प्रश्न के संबंध में विवरण पस्तुत करने मे विफल रहा हो। d) उपर्युक्त (b) और (c) दोनों
73.	The Income-tax Act,1961 imbibes the concept of “Representative assessee”. In this regard, examine the following statements : 1. The concept is legally enshrined u/s 159 of the Act as a sub-category of legal representative. 2. The term “Representative assessee” is defined u/s 160 of the Act and the definition is inclusive one. 3. The Act doesn’t expressly defines “Representative assessee” in respect of the income of a lunatic or idiot as such assessee is not capable of regularly deriving income due to social as well as psychological constraints. 4. In respect of the income of a non-resident specified in sub-section (1) of section 9, the agent of the non-resident, including a person who is treated as an agent under section 163 is treated as Representative assessee. Which of the statements is/ are correct?

	a) 1, 2 and 3 b) Only 4 c) 2, 3 and 4 d) 1, 2 and 4 आयकर अधिनियम, 1961 'प्रतिनिधि निर्धारिती' की अवधारणा को आत्मसात् करता है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों की जांच करें – 1. यह अवधारणा विधिक प्रतिनिधि के उपवर्ग के रूप में अधिनियम की धारा 159 के तहत विधिक रूप से प्रतिष्ठापित है। 2. 'प्रतिनिधि निर्धारिती' पद अधिनियम की धारा 160 के तहत परिभाषित है और यह परिभाषा समावेशी है। 3. किसी अवयस्क या पागल को आय के संबंध में 'प्रतिनिधि निर्धारण' को अधिनियम स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता है क्योंकि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अवरोधों के कारण निर्धारिती नियमित रूप से आय के उपार्जन में सक्षम नहीं है। 4. धारा 9 की उप-धारा (1) में विनिर्दिष्ट किसी अनिवासी की आय के संबंध में, उस अनिवासी का एजेंट, धारा 163 के तहत ऐजेंट के रूप में माने गए व्यक्ति सहित, को प्रतिनिधि निर्धारिती समझाा जाता है। निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है? a) 1, 2 और 3 b) केवल 4 c) 2, 3 और 4 d) 1, 2 और 4
74.	Section 168 of the Income tax-Act provides that the income of the estate of a deceased person shall be chargeable to tax in the hands of the executor. In an ongoing assessment case, the Assessing Officers found that there are three executors in respect of a deceased assessee for AY 2019-20 who was a resident during the relevant AY. However, two of the executors are "non-resident" while the third one is "resident" during the same AY and subsequently. You are required to advice the AO to frame assessment. Please choose the correct/most suitable option: a) Frame the assessment by treating the executors as Body of Individuals and with status as "Non-resident". b) Frame the assessment by treating the executors as Individuals and with tax residency status as that of respective executors. c) Frame the assessment by treating the executors as Association of persons and with status as "resident". d) Frame the assessment by treating the executors as either Association of persons or Body of Individuals or Individuals but with status as "resident".

	आयकर अधिनियम की धारा 168 के अनुसार मृत व्यक्ति की संपदा की आय निष्पादक के पास कर प्रभार्य होगी। चल रहे निर्धारण मामले में निर्धारण अधिकारी को पता चलता है कि निर्धारण वर्ष 2019-20 के लिए मृत निर्धारिती, जोकि निर्धारण वर्ष के दौरान निवासी था, के संबंध में तीन निष्पादक है। हालांकि, उसी निर्धारण वर्ष के दौरान और बाद में दो निष्पादक ''अनिवासी'' हैं और तीसरा ''निवासी'' है। आपसे अपेक्षा है कि निर्धारण अधिकारी को निर्धारण तैयार करने हेतु सलाह दें। कृपया सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें: a) निष्पादकों को व्यष्टियों का निकाय और प्रास्थिति को 'अनिवासी' मानते हुए निर्धारण तैयार करें। b) निष्पादकों को व्यष्टि मानते हुए और उनकी आवासीय प्रास्थिति को संबंधित निष्पादकों की वास्तविक स्थिति के अनुसार मानते हुए निर्धारण तैयार करें। c) निष्पादको को व्यक्तियों का समूह और प्रास्थिति को 'निवासी' मानते हुए निर्धारण तैयार करें। d) निष्पादकों को चाहे व्यक्तियों का समूह या वयष्टियों का निकाय या व्यष्टि मानते हुए परंतु उनकी प्रास्थिति को ''निवासी'' मानते हुए निर्धारण तैयार करें।
75.	In respect of "Estimation of value of assets by Valuation Officer" u/s 142A of the Act, consider the following statements: i) The reference can be made to the Valuation Officer only to determine the "Fair Market Value" and not any other value. ii) Reference can be made in respect of an asset, investment, property or estimation of expenditure. iii) As per the section 142A, the Valuation Report of the Valuation Officer so received is binding on the Assessing Officer as the reference used u/s 142A(6) is " such report shall be binding on the Assessing Officer" iv) The valuation by Valuation Officer u/s 142A cannot be "an estimate of the value" if the assessee is responsive, compliant and furnished all required evidences to the Valuation Officer. Which of the following are correct: a) None of the above b) (i), (ii), (iii) and (iv) c) (i), (iii) and (iv) d) (i), (ii) and (iii) अधिनियम की धारा 142A के अंतर्गत ''मूल्यांकन अधिकारी द्वारा आस्तियों के मूल्य के प्राक्कलन'' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: i) केवल ''उचित बाजार मूल्य'' के निर्धारण हेतु मूल्यांकन अधिकरी की रिपोर्ट का संदर्भ लिया जा सकता है, किसी अन्य मूल्य के

	लिए नहीं। ii) किसी आस्ति, निवेश, संपत्ति या व्यय के प्राक्कलन के संबंध में संदर्भ लिया जा सकता है iii) धारा 142A के अनुसार मूल्यांकन अधिकारी से प्राप्त रिपोर्ट, निर्धारण अधिकारी के लिए बाध्यकारी होगी क्योंकि धारा 142A(6) के अंतर्गत उपयोग किया गया संदर्भ ''ऐसी रिपोर्ट निर्धारण अधिकारी के लिए बाध्यकारी होगी'' है। iv) मूल्यांकन अधिकारी द्वारा धारा 142A के अंतर्गत किया गया मूल्यांकन ''मूल्य का अनुमान'' नहीं हो सकता, यदि निर्धारिती प्रतिक्रियाशील, अनुपालनकर्ता है और उसने मूल्यांकन अधिकारी को सभी अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। निम्नलिखित में से कौन सा सही हैं: a) उपर्युक्त में से कोई नहीं b) (i), (ii), (iii) और (iv) c) (i), (iii) और (iv) d) (i), (ii), और (iii)
76.	As per section 192A of the Income tax Act, 1961, the trustees of the Employees' Provident Fund Scheme, 1952 or any person authorised under the scheme to make payment of accumulated balance due to employees shall deduct Income-tax at source at the time of payment of the accumulated balance due to an employee in the applicable cases. In this connection, for the Assessment Year 2024-25, the statements applicable are: i) TDS at the rate of 10% ii) No TDS to be made where the aggregate amount of such payment to the payee is less than Rs. 50,000/- iii) TDS at the maximum marginal rate if the payee do not furnish PAN to the person responsible for deducting such tax Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i) and (ii) are correct b) Only statements (i) and (iii) are correct c) All the statements (i), (ii) and (iii) are correct d) Only statements (ii) and (iii) are correct आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 192A के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के न्यासियों या योजना के अंतर्गत कर्मचारियों को देय संचित शेष का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति, लागू मामलों में कर्मचारी को देय संचित शेष के भुगतान के समय स्रोत पर कर कटौती करेगा। इस संबंध में निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए निम्नलिखित कथन लागू होते हैं: i) 10% की दर से स्रोत पर कर कटौती ii) स्रोत पर कर कटौती नहीं की जाएगी यदि आदाता को देय ऐसे

	भुगतान का कुल रू. 50,000/- से कम है। iii) यदि आदाता ऐसे कर की कटौती के लिए उत्तरदायी व्यक्ति को अपना पैन प्रदान नहीं करता है तो अधिकतम सीमांत दर पर स्रोत पर कर कटौती की जाएगी। उपर्यक्त कथनों के संबंध में सबसे उपर्युक्त विकल्प का चयन करें: a) केवल कथन (i) और (ii) सही हैं b) केवल कथन (i) और (iii) सही हैं c) सभी कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं d) केवल कथन (ii) और (iii) सही हैं
77.	**Assertion (A):** For AY 2024-25, as per provisions of section 194B of the Income tax Act, 1961, TDS has to be made by the person responsible for paying to any person any income by way of winnings from any lottery or crossword puzzle or card game and other game of any sort including online game at the time of payment of such income. **Reason (R):** For AY 2024-25, as per provisions of section 194BA of the Income tax Act, 1961, TDS has to be made by the person responsible for paying to any person any income by way of winnings from any online game on the net winnings at the time of withdrawal or at the end of the financial year, as the case may be. a) Both the (A) and the (R) are correct and the (R) is the correct explanation of (A). b) Both the (A) and the (R) are correct, but the (R) is not the correct explanation of (A). c) Only (A) is correct. d) Only (R) is correct. **अभिकथन(A)** : आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194B के उपबंधों के अनुसार निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए किसी व्यक्ति को लॉटरी या क्रोसवर्ड पज़ल या ताश के खेल और ऑनलाइन खेल सहित किसी प्रकार के अन्य खेल से जीत के रूप में होने वाली ऐसी आय के भुगतान के समय, भुगतान के लिए उत्तरदायी व्यक्ति द्वारा स्रोत पर कर कटौती की जाएगी। **कारण(R)** : आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194BA के उपबंधों के अनुसार निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए किसी व्यक्ति को ऑनलाइन खेल से जीत के रूप में हुई आय की निवल राशि पर निकासी के समय या वित्त वर्ष के अंत में, जैसा भी मामला हो, भुगतान के लिए उत्तरदायी व्यक्ति द्वारा भुगतान के समय स्रोत पर कर कटौती की जाएगी। a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। b) (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

	c) केवल (A) सही है। d) केवल (R) सही है।
78.	PQR, a firm: i) Credited amount of Rs. 9 lakhs out of total contract amount of Rs. 90 lakhs to the "Suspense account" in the books of account of the Contractor A. The firm PQR is NOT liable to do TDS u/s 194C of the Income tax Act, 1961 on the amount credited to the "Suspense account". ii) Paid an amount of Rs. 25,000/- to the account of the Contractor B. The firm PQR is NOT liable to do TDS u/s 194C of the Income tax Act, 1961 on the amount paid to the Contractor B. iii) Credited an amount of Rs.6 lakhs to the account of the Contractor C in the business of plying, hiring or leasing goods carriages and the Contractor C furnishes a declaration to PQR of owning 12 goods carriages at any time during the previous year along with his PAN. The firm PQR is NOT liable to do TDS u/s 194C of the Income tax Act, 1961 on the amount paid to the Contractor C. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statement (i) is correct b) Only statement (ii) is correct c) Only statement (iii) is correct d) All the statements are correct PQR एक फर्म ने : i) ठेकेदार के खाते में, ठेके की कुल राशि 90 लाख रू. में से 9 लाख रू. ‘‘उचंत खाता’’ में क्रेडिट कर दिए गए। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194C के अंतर्गत PQR फर्म ‘‘उचंत खाते’’ में क्रेडिट की गई राशि पर स्रोत पर कर कटौती के लिए उत्तरदायी नहीं है। ii) ठेकेदार B के खाते में 25,000/- रू. का भुगतान किया गया। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194C के अंतर्गत PQR फर्म ठेकेदार B, भुगतान की गई राशि पर स्रोत पर कर कटौती के लिए उत्तरदायी नहीं है। iii) ठेकेदार C माल वाहन चलाने, लीज़ पर देने या किराये पर देने का व्यापार करता है और उसके खाते मे 6 लाख रू. की राशि क्रेडिट की गई है और ठेकेदार C फर्म PQR को पूर्व वर्ष में किसी भी समय पर 12 माल वाहन होने की घोषणा करता है तथा अपना पैन बताता है। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194C के तहत फर्म PQR कांट्रेक्टर C को अदा की गई राशि पर टी डी एस के लिए उत्तरदायी नहीं है। उपर्यक्त कथनों के आधार पर सबसे उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए :-

	a) केवल कथन (i) सही हैं b) केवल कथन (ii) सही हैं c) केवल कथन (iii) सही हैं d) सभी कथन सही हैं
79.	Under section 194E of the Income tax Act, 1961, i) Income payable to a non-resident athlete is liable to TDS. ii) Income payable to a entertainer who is not a citizen of India is liable to TDS iii) Income payable to a non-resident sports association is liable to TDS iv) On the income payable, TDS at the rate of 25%. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i), (ii) and (iii) are correct b) Only statements (i), (ii) and (iv) are correct c) Only statements (i), (iii) and (iv) are correct d) Only statements (ii), (iii) and (iv) are correct आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194E के अनुसार, i) एक नॉन–रेजिडेंट एथलीट की आय, टी डी एस दायरे मे आती है। ii) एक मनोरंजनकर्ता, जो भारत का नागरिक नहीं है, की आमदनी टी डी एस योग्य है। iii) एक गैर–रेजीडेंट खेल संघ को होने वाली आमदनी टी डी एस योग्य है। iv) देय आमदनी पर कर 25% की दर से टी डी एस प्रभारित होगा। उपर्युक्त कथनों के संबंध में सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिएः– a) केवल कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं। b) केवल कथन (i), (ii) और (iv) सही हैं। c) केवल कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं। d) केवल कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं।
80.	Please read the following statements: i) As per provisions of section 194I of the Income tax Act, 1961, TDS has to be done by the payer of "rent" and the "rent" means any payment for the use of land or building or machinery or plant or equipment or furniture or fittings either separately or together. ii) As per provisions of section 194IB of the Income tax Act, 1961, TDS has to be done by the payer of "rent" and the "rent" means any payment for the use of land or building or both iii) Payer of rent as per provisions of section 194I of the Income tax Act, 1961 is any person other than an individual or a Hindu undivided family only. iv) Payer of rent as per provisions of section 194IB of the Income tax Act, 1961 is

	any person, being an individual or a Hindu undivided family only. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i), (ii) and (iii) are correct b) Only statements (ii), (iii) and (iv) are correct c) Only statements (i), (ii) and (iv) are correct d) Only statements (i), (iii) and (iv) are correct कृपया निम्नलिखित कथनों को पढिएः– i) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194I के प्रावधान के अनुसार टीडीएस ''किराया'' अदाकर्ता के द्वारा देय है और ''किराया'' से अभिप्राय जमींन या भवन या मशीनरी या प्लांट या सामग्री या फर्नीचर या फिटिंग्स; एक साथ या अलग–अलग ii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194IB के प्रावधान के अनुसार टीडीएस ''किराया'' अदाकर्ता के द्वारा देय है और ''किराया'' से अभिप्राय जमींन या भवन अथवा दोनों के प्रयोग के लिए भुगतान से है। iii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194I के प्रावधान के अनुसार, किरायादाता से अभिप्राय है – केवल एक व्यष्टि या हिंदू अविभक्त कुटुंब के इलावा कोई व्यक्ति। iv) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194IB के प्रावधान के अनुसार किरायादाता से अभिप्राय है कोई भी व्यक्ति, बतौर एक व्यष्टि या एक हिंदू अविभाजित परिवार केवल। उपर्युक्त कथनों मे से सबसे उचित विकल्पों का चुनाव कीजिएः a) केवल कथन (i), (ii) और (iii) सही है। b) केवल कथन (ii), (iii) और (iv) सही है। c) केवल कथन (i), (ii) और (iv) सही है। d) केवल कथन (i), (iii) और (iv) सही है।
81.	As per provisions of section 206C of the Income tax Act, 1961, the seller of following goods has to collect TCS from the buyer at the specified rates mentioned below. For the AY 2024-25, match the following options:

	Nature of Goods		Percentage
A	Alcoholic liquor for human consumption, scrap, and minerals, being coal or lignite or iron ore	(i)	2.5 %
B	Tendu leaves	(ii)	1 %
C	Timber and other forest produce not being tendu leaves	(iii)	5 %

	a) A - (ii), B - (iii), C - (i) b) A - (iii), B - (ii), C - (i) c) A - (i), B - (iii), C - (ii) d) A - (i), B - (ii), C - (iii) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 206C के प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित वस्तुओं के विक्रेताओं को खरीदारों से नीचे दर्शाई गई निर्धारित दरों से टीडीएस संग्रह करना चाहिए– निर्धारण वर्ष 2024–25 के लिए, निम्नलिखित विकल्पों का मिलान कीजिएः– (table below) a) A - (ii), B – (iii), C – (i) b) A - (iii), B – (ii), C – (i) c) A - (i), B – (iii), C – (ii) d) A - (i), B – (ii), C – (iii)
82.	As per provisions of section 207 of the Income tax Act, 1961: i) 66 year old individual having income in the nature of pension, income from profession and interest is NOT liable to pay advance tax even though the tax payable is more than that as provided u/s 208 of the Act. ii) 62 year old individual having income in the nature of pension, rental income and interest is NOT liable to pay advance tax even though the tax payable is more than that as provided u/s 208 of the Act. iii) 55 year old individual having income in the nature of business income and interest is liable to pay advance tax if the tax payable is more than that as provided u/s 208 of the Act. iv) 50 year old individual having income in the nature of salary, rental income and interest is NOT liable to pay advance tax even though the tax payable is more than that as provided u/s 208 of the Act. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i) and (ii) are correct b) Only statements (ii) and (iii) are correct c) Only statements (iii) and (iv) are correct d) Only statements (i) and (iv) are correct

	वस्तुओं की प्रकृति		प्रतिशतता
A	मानव उपभोग के लिए एल्कोहल वाली शराब, कबाड़ और खनिज, (कोयला या लिग्नाइट या लौह–अयस्क)	(i)	2.5 %
B	तेंदु पत्ते	(ii)	1 %
C	तेंदु पत्तों के अलावा इमारती लकड़ी और अन्य वन्य उत्पाद	(iii)	5 %

	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 207 के प्रावधानों के अनुसार i) एक 66 वर्षीय व्यक्ति जिसकी पेशन से, व्यवसाय से और ब्याज से प्राप्त आय है, उस पर अग्रिम कर भुगतान का दायित्व नहीं है, यद्यपि उसकी कर की देनदारी अधिनियम की धारा 208 के तहत दर्शाई गई कर की देनदारी से अधिक हो। ii) एक 62 वर्षीय व्यक्ति जिसकी पेशन से, किराये से और ब्याज से आय है, उस पर अग्रिम कर भुगतान का दायित्व नहीं है, यद्यपि उसकी कर की देनदारी अधिनियम की धारा 208 के तहत दर्शाई गई कर की देनदारी से अधिक है। iii) एक 55 वर्षीय व्यक्ति जिसकी व्यापार से और ब्याज से आय है, उस पर अग्रिम कर देने का दायित्व है, यदि उसकी कर की देनदारी आयकर अधिनियम की धारा 208 के तहत देय कर से अधिक है। iv) एक 50 वर्षीय व्यक्ति जिसकी वेतन, किराए और ब्याज से आय है, पर अग्रिम कर देने का दायित्व नहीं है, यद्यपि उसकी कर की देनदारी आयकर अधिनियम की धारा 208 के तहत देय कर से अधिक है। उपर्युक्त कथनों मे से सबसे उचित विकल्पों का चुनाव करें: a) केवल कथन (i) और (ii) सही है। b) केवल कथन (ii) और (iii) सही है। c) केवल कथन (iii) और (iv) सही है। d) केवल कथन (i) और (iv) सही है।
83.	When an assessee is in default or is deemed to be in default in making a payment of tax, i) The Assessing Officer may draw a certificate to the Tax Recovery Officer (TRO) specifying tax arrears due from the assessee for recovery. ii) The Tax Recovery Officer may draw up a certificate specifying tax arrears due from the assessee for recovery. iii) The Assessing Officer is authorized to recover the tax u/s 226 of the Act even after certificate has been drawn for recovery of tax due u/s 222 of the Act. iv) The Tax Recovery Officer is authorized to recover the tax by any modes provided u/s 226 of the Act where a certificate has been drawn up u/s 222 of the Act. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i) and (ii) are incorrect b) Only statements (i) and (iii) are incorrect c) Only statements (ii) and (iii) are incorrect d) Only statements (i) and (iv) are incorrect

	जब कोई निर्धारिती कर भुगतान में चूक करता है, या चूक के लिए जिम्मेदार माना जाता है, तोः i) निर्धारण अधिकारी, कर वसूली अधिकारी को, निर्धारिती से कर वसूली के लिये, उसकी ओर से बकाया कर राशि का उल्लेख करते हुए, प्रमाण–पत्र जारी कर सकता है। ii) कर वसूली अधिकारी, निर्धारिती की ओर से बकाया कर राशि का उल्लेख करते हुए, वसूली के लिए प्रमाण–पत्र जारी कर सकता है। iii) निर्धारण अधिकारी अधिनियम की धारा 226 के तहत कर वसूली के लिए अधिकृत है, यद्यपि अधिनियम की धारा 222 के तहत वसूली के लिए प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया हो। iv) कर वसूली अधिकारी उन मामलों में जहां धारा अधिनियम की धारा 222 के तहत प्रमाण–पत्र जारी कर दिया गया हो, तो वे धारा 226 में उल्लिखित किसी भी रीति से कर वसूली करने के लिये प्राधिकृत हैं। उपर्युक्त कथनों के संबंध में सबसे उपयुक्त विकल्पों का चयन करें। a) केवल कथन (i) और (ii) सही नहीं है। b) केवल कथन (i) और (iii) सही नहीं है। c) केवल कथन (ii) और (iii) सही नहीं है। d) केवल कथन (i) और (iv) सही नहीं है।
84.	With respect to interest payable on refund u/s 244A of the Income tax Act, 1961: i) Currently, the period of withholding of refund u/s 245 of the Income tax Act, 1961 should be excluded for computing the period for calculating additional interest payable on refund u/s 244A(1A) of the Act. ii) Currently, the period of withholding of refund u/s 245 of the Income tax Act, 1961 should be excluded for computing the period for calculating interest payable on refund u/s 244A(1) of the Act. iii) If the reasons for delay in proceedings resulting in refund are attributable to the assessee, such a period attributable to assessee has to be excluded for calculating interest payable on refund u/s 244A of the Act. Select the most appropriate options regarding above statements: a) Only statements (i) and (ii) are correct b) Only statements (ii) and (iii) are correct c) Only statements (i) and (iii) are correct d) All the statements (i), (ii) and (iii) are correct आयकर अधिनियम 1961 की धारा 244A के अंतर्गत प्रतिदाय पर ब्याज के संबंध मेंः i) वर्तमान में अधिनियम की धारा 244A(1A) के तहत प्रतिदाय/रिफंड पर देय अतिरिक्त ब्याज की अवधि की गणना

	हेतु, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 245 के तहत प्रतिदाय/रिफंड को रोकने की अवधि को अलग कर देना चाहिए। ii) वर्तमान में अधिनियम की धारा 244A(1) के तहत प्रतिदाय/रिफंड पर देय ब्याज की अवधि की गणना हेतु आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 245 के तहत प्रतिदाय/रिफंड को रोकने की अवधि को अलग कर देना चाहिए। iii) यदि प्रतिदाय/रिफंड देने की प्रक्रिया में हुई देरी का कारण करदाता है तो अधिनियम की धारा 244A के तहत रिफंड देने में हुई देरी की अवधि को जो निर्धारिती पर आरोपित है उसे प्रतिदाय/रिफंड पर देय ब्याज की गणना से हटा देना चाहिए। उपर्युक्त कथनों के संबंध में सबसे उपयुक्त विकल्पों का चयन करें: a) केवल कथन (i) और (ii) सही हैं। b) केवल कथन (ii) और (iii) सही हैं। c) केवल कथन (i) और (iii) सही हैं। d) सभी (i), (ii) और (iii) सभी सही हैं।
85.	Which of the following is not an appealable order? a) Order passed under section 92CA(3) of the Income-tax Act,1961. b) Order passed under section 154 of the Income-tax Act,1961. c) Order passed under section 201 of the Income-tax Act,1961. d) Order passed under section 221 of the Income-tax Act,1961. इनमें में कौन सा अपील–योग्य आदेश नहीं है ? a) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 92CA(3) के अंतर्गत जारी आदेश। b) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 154 के अंतर्गत जारी आदेश। c) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 201 के अंतर्गत जारी आदेश। d) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 221 के अंतर्गत जारी आदेश।
86.	Under- reported income, for the purpose of section 270A, does not include a) Variation in income due to adjustment made by TPO which is confirmed in the direction of DRP and incorporated in the final assessment order b) Additional income offered by the assessee during the course of assessment to buy peace of mind. c) Amount of under -reported income which is determined on the basis of an estimate, subject to other conditions. d) None of the above.

	धारा 270A के प्रयोजन हेतु कम घोषित आय में .... शामिल नहीं है। a) टी.पी.ओ. के द्वारा किये गये समायोजन के कारण आय में विचलन, जिसकी डी.आर.पी. के निदेशन में पुष्टि की जाती है और अंतिम निर्धारण आदेश में शामिल किया जाता है। b) निर्धारण के दौरान मानसिक शांति पाने के लिए निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत अतिरिक्त आय। c) कम–प्रस्तुत आय की राशि जिसको अन्य परिस्थितियों के अधीन एक अनुमान के आधार पर निर्धारित किया जाता है। d) इनमें से कोई नहीं।
87.	The authorised officer of a search party served prohibitory order on a Bank Manger asking her not to remove, part with or otherwise deal with articles kept in a certain locker of the searched person. Later on, it was found that the Manager has allowed operation of the locker and removal of certain articles from the locker, after the date of service of the prohibitory order. What course of action is open to the department against the bank manager as per provisions of the Income -tax Act? a) Launching prosecution against the erring bank manager. b) Arresting the bank manager under power conferred under the second schedule to the Income-tax Act. c) Writing to the disciplinary authority of the manager for suitable punitive action against the manager. d) All of the above. एक सर्च पार्टी के अधिकृत अधिकारी ने एक बैंक प्रबन्धक पर एक निषेधात्मक आदेश यह कहते हुए दिया कि वह तलाशी किये जाने वाले व्यक्ति के किसी निश्चित लॉकर में रखे सामान को न हटाएगी, न ही कुछ अलग करेगी और न ही किसी अन्य प्रकार की कोई छेड़छाड़ करेगी। बाद में यह पाया गया कि निषेधात्मक आदेश लागू होने के बाद प्रबंधक ने लॉकर के संचालन की और लॉकर में से कुछ सामान/चीजें हटाने की अनुमति दे दी है। आयकर अधिनियम के प्रावधानुसार विभाग, उस बैंक प्रबंधक के विरुद्ध कौन सी कार्रवाई कर सकता है? a) गलती करने वाले बैंक प्रबंधन के विरुद्ध अभियोग दर्ज कराना। b) आयकर अधिनियम की दूसरी अनुसूची के अंतर्गत प्रदत्त शक्ति के तहत बैंक प्रबंधक को गिरफ्तार करना। c) प्रबंधक के अनुशासनिक प्राधिकारी को प्रबंधक के विरुद्ध उचित दण्डात्मक कार्रवाई के लिए लिखना। d) उपर्युक्त सभी।
88.	Mr. Vaibhav, Finance Manager of a company, has deducted tax at source from the payment of contractors executing work contracts awarded by the company, as per provisions of section 194C of the Income -tax Act. However, he did not deposit the

	money to the government account. This default and several other irregularities committed by Mr. Vaibhav came to light during internal audit of the company. The company makes a complaint to the department regarding the TDS default and the department launches prosecution against Mr. Vaibhav, being the person responsible for deduction of tax. What is the punishment for such an offence? a) Confiscation of his movable and immovable properties to the extent TDS not deposited to the government account. b) Rigorous imprisonment of minimum three months with fine c) Only Rigorous imprisonment of seven years but no pecuniary punishment. d) Rigorous imprisonment of minimum three months and maximum seven years with fine. कंपनी के वित्तीय प्रबंधक श्री वैभव ने आयकर अधिनियम की धारा 194C के प्रावधानानुसार कंपनी द्वारा दिये गये संविदा पर कार्य करने वाले ठेकेदार के भुगतान में स्रोत पर कर कटौती की है। हालांकि, उसने धन को सरकारी खाते में जमा नहीं किया। कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा के दौरान श्री वैभव द्वारा की गई यह गलती एवं कुछ अन्य अनियमितताएं उजागर हुई। कंपनी स्रोत पर कटौती के संबंध में विभाग को शिकायत दर्ज कराती है और विभाग श्री वैभव जो कर कटौती के लिए जिम्मेदार हैं, के विरुद्ध अभियोग दर्ज कराती है। ऐसे अपराध के लिए दण्ड है? a) उसकी चल व अचल संपत्ति का उस हद तक जब्तीकरण जितना सरकारी खाते में स्रोत पर कर कटौती होनी है। b) जुर्माना सहित कम से कम तीन माह का कठोर कारावास। c) बिना किसी आर्थिक दण्ड के केवल सात वर्ष का कठोर कारावस। d) जुर्माने के साथ कम से कम तीन माह की और अधिकतम सात वर्ष का कठोर कारावास।
89.	In disposing of an appeal, which of the following powers is NOT available to the Commissioner (Appeals)? a) To confirm or cancel an order imposing a penalty or vary it so as either to enhance or to reduce the penalty b) To set aside the impugned order to the Assessing officer c) To admit additional evidence subject to fulfilment of the conditions laid down in Rule 46A of the Income-tax Rules, 1962 d) To confirm, reduce, enhance or annul the impugned order किसी अपील के निपटान में निम्न में से कौन सी शक्तियाँ आयुक्त (अपील) के पास मौजूद नहीं है? a) दण्डात्मक आदेश की पुष्टि करना/खारिज करना या उसे बदलना ताकि शास्ति में बढ़ोतरी या कमी की जा सके। b) आक्षेपित आदेश को निर्धारण अधिकारी के पास सेट–ए–साईड करना।

	c) आयकर नियम 1962 के नियम 46A में लगाई शर्तों को पूरा करने के अधीन अतिरिक्त सबूत को स्वीकारना। d) आक्षेपित आदेश की पुष्टि करना, कम करना, बढ़ाना या रद्द करना।
90.	M/s ABC Ltd, a company, had a turnover of Rs.11,00,00,000/- during the previous year 2022-23 relevant to the assessment year 2023-24, and hence, was required to get his accounts of such previous year audited by an accountant, and furnish a report of such audit, within the scope of section 44AB. However, the company failed to get his accounts audited by an accountant. What would be the amount of penalty under section 271B payable by M/s ABC Ltd ? a) Rs. 11,00,000/- b) Rs. 5,50,000/- c) Rs. 1,50,000/- d) Rs. 1,00,000/- एक कंपनी मैसर्स ABC लिमिटेड का व्यवसाय मूल्यांकन वर्ष 2023-24 से संबंधित पिछले वर्ष 2022-23 के दौरान रू. 11,00,00,000/- था और इसलिए इसे आवश्यकता थी कि वह लेखाकार के द्वारा उस वर्ष के खातों की लेखापरीक्षा करवाये और धारा 44AB के अंतर्गत लेखापरीक्षा की रिपोर्ट प्रस्तुत करे। हालांकि, कंपनी लेखाकार द्वारा अपने खातों की लेखापरीक्षा करवाने में विफल रही। मैसर्स ABC लिमिटेड के द्वारा धारा 271B के तहत दण्ड स्वरूप कितनी राशि देय है ? a) रू. 11,00,000/- b) रू. 5,50,000/- c) रू. 1,50,000/- d) रू. 1,00,000/-
91.	Which of the statements is NOT correct in connection with penalty under section 271CA of the Income-tax Act, 1961? a) The penalty is imposed if any person fails to deduct the whole or any part of the tax as required by or under the provisions of Chapter XVII-B b) The penalty is imposed if any person fails to collect the whole or any part of the tax as required by or under the provisions of Chapter XVII-BB c) The amount of penalty would be a sum equal to the amount of tax which such person failed to collect d) The penalty is imposed by the Joint/Addl. Commissioner आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 271CA के तहत शास्ति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है ? a) शास्ति अधिरोपित होती है यदि कोई व्यक्ति अध्याय XVII-B के प्रावधानों के द्वारा या उसके तहत संपूर्ण कर या कर के

	किसी हिस्से की कटौती करने में विफल रहता है। b) शास्ति अधिरोपित होती है यदि कोई व्यक्ति अध्याय XVII-BB के प्रावधानों के द्वारा या उसके तहत संपूर्ण कर या कर के किसी हिस्से के संग्रहण करने में विफल रहता है। c) शास्ति की राशि उस कर की राशि के बराबर होगी जो व्यक्ति कटौती करने में विफल होता है। d) संयुक्त/अपर आयकर आयुक्त द्वारा शास्ति अधिरोपित होती है।
92.	Following are some facts in the case of an assessee for the assessment year 2019-20 : i) Assessment Order u/s 143(3) is passed on 30.12.2021. ii) Penalty u/s 270A is initiated and notice u/s 274(1) is issued on 30.12.2021. iii) The assessee files appeal before the CIT(Appeals) on 21.01.2022. iv) The CIT(Appeals) passed the appellate order on 27.03.2023. v) Assessee's appeal is dismissed. vi) The appellate order is received by the Pr. CIT on 30.03.2023. Under the aforesaid situation, what is the limitation date for passing the order imposing penalty u/s 270A by the Assessing Officer ? a) 30.06.2022 b) 30.09.2022 c) 31.03.2024 d) 30.09.2023 निर्धारण वर्ष 2019-20 के लिए किसी निर्धारिती के मामले में कुछ तथ्य निम्नानुसार हैः- i) धारा 143(3) के तहत निर्धारण आदेश दिनांक 30.12.2021 को जारी हुआ। ii) धारा 270A के तहत शास्ति प्रक्रिया शुरू की गई और धारा 274(1) के तहत दिनांक 30.12.2021 को नोटिस जारी किया गया। iii) निर्धारिती ने दिनांक 21.01.2022 को आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दाखिल की। iv) आयकर आयुक्त (अपील) ने दिनांक 27.03.2023 को अपीलीय आदेश जारी किया। v) निर्धारिती की अपील खारिज हो गई। vi) प्रधान आयकर आयुक्त को दिनांक 30.03.2023 को अपीलीय आदेश प्राप्त हुआ। उपर्युक्त स्थिति में, निर्धारण अधिकारी द्वारा धारा 270A के तहत शास्ति अधिरोपित करते हुए आदेश पारित करने हेतु परिसीमा तिथि क्या होगी ? a) 30.06.2022 b) 30.09.2022 c) 31.03.2024 d) 30.09.2023

93.	A foreign asset acquired from tax-paid income was not disclosed in the FA schedule in the past. Based on the above facts please select the correct option: a) The above asset will fall within the definition of undisclosed foreign asset. b) Non-disclosure of the same in India tax return from financial year 2015-16 may attract a penalty of five lakh rupees u/s 42 of the Black Money Act, 2015. c) The provisions of section 42 for levy of penalty are not applicable if the asset is a bank account and does not have an aggregate balance exceeding an amount equivalent to five lakh rupees at any time during the previous year. d) All of the above. कर–चुकाई गई आय से अर्जित किसी विदेशी आस्ति को विदेशी आस्ति परिशिष्ट में पहले घोषित नहीं किया गया। उपर्युक्त तथ्य के आधार पर सही विकल्प का चयन करें – a) यह आस्ति अघोषित विदेशी आस्ति की परिभाषा के तहत होगी। b) वित्तीय वर्ष 2015–16 से भारतीय आयकर विवरणी में इसके अप्रकटीकरण पर काला धन अधिनियम, 2015 की धारा 42 के तहत 5 लाख की शास्ति अधिरोपित की जा सकती है। c) यदि आस्ति एक बैंक खाता है और पूर्ववर्ती वर्ष में किसी भी समय शेष राशि 5 लाख रूपये से अधिक नहीं रही है तो, धारा 42 के प्रावधानों के तहत शास्ति लागू नहीं होगी। d) उपर्युक्त सभी।
94.	Please select the incorrect option: a) There is no threshold limit on income or asset for applicability of provisions of Black Money Act, 2015 b) Provisions of the Black Money Act, 2015 for undisclosed foreign income is a part of the Income Tax Act. c) Undisclosed foreign income from a source located outside India pertaining to the period 01.07.2015 onwards will be taxed in the relevant financial year to which it pertains. d) No definition of 'asset' is given in Black Money Act, 2015 कृपया गलत विकल्प का चयन करें :– a) कालाधन अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के लागू होने के लिए आय या आस्ति की कोई प्रांरभिक सीमा नहीं है। b) अघोषित विदेशी आय के लिए, कालाधन अधिनियम, 2015 के प्रावधान आयकर अधिनियम का एक भाग हैं। c) 01.07.2015 के बाद की अवधि के लिये भारत के बाहर स्थित स्रोत से अघोषित विदेशी आय पर कराधान उस सुसंगत वित्तीय वर्ष में होगा जिससे वह संबंधित है। d) कालाधन अधिनियम, 2015 में आस्ति की कोई परिभाषा

	नहीं दी गई।
95.	A house property located outside India was acquired by an assessee in the previous year 2009-10 for fifty lakh rupees (C). Out of the investment of fifty lakh rupees, twenty lakh rupees (B) was assessed to tax in the total income of the previous year 2009-10 and earlier years. Such undisclosed asset comes to the notice of the Assessing Officer in the year 2017-18. If the value of the asset in the year 2017-18 is one crore rupees (A), the amount chargeable to tax shall be: a) A- (100 x B/C) b) C c) A- (B-C) d) A किसी निर्धारिती द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष 2009-10 में भारत के बाहर स्थित एक आवासीय संपत्ति 50 लाख रूपये (C) में अर्जित की गई। 50 लाख रूपये के इस निवेश में से 20 लाख रूपये (B) को पूर्ववर्ती वर्ष 2009-10 और उससे पूर्व के वर्षो की कुल आय पर कर के लिए निर्धारित किया गया। ऐसी अघोषित आस्ति, निर्धारण अधिकारी के संज्ञान में वर्ष 2017-18 में आई। यदि वर्ष 2017-18 में आस्ति का मूल्य एक करोड़ रूपये (A) है तो कर के लिए प्रभार्य राशि क्या होगीः- a) A-(100 x B/C) b) C c) A – (B-C) d) A
96.	If a person who held any assets located outside India at any time during the previous year and fails to furnish return of income before the end of the relevant assessment year shall be liable for a penalty of Rs. 10 Lakhs except in respect of an asset: a) Being one or more bank accounts having an aggregate balance which does not exceed a value equivalent to five hundred thousand rupees at any time during the previous year. b) Being one or more bank accounts having total credits which does not exceed a value equivalent to five hundred thousand rupees during the previous year. c) Being one bank account having balance which does not exceed a value equivalent to five hundred thousand rupees at any time during the previous year. d) None of the above. यदि कोई व्यक्ति पूर्ववर्ती वर्ष में भारत के बाहर कोई आस्ति धारित करता है और सुसंगत निर्धारण वर्ष की समाप्ति से पहले आयकर विवरणी दाखिल करने में विफल होता है तो रू. 10 लाख की शास्ति के लिए उत्तरदायी होगा, सिवाय उस आस्ति के जोः

	a) एक या एक से अधिक बैंक खाता है, जिसमें पूर्ववर्ती वर्ष में, किसी भी समय सकल शेष पांच लाख रूपये के मूल्य के बराबर से अधिक न हो। b) एक या एक से अधिक बैंक खाता है, जिसमें पूर्ववर्ती वर्ष में, किसी भी समय सकल जमा पांच लाख रूपये के मूल्य के बराबर से अधिक न हो। c) एक बैंक खाता है जिसमें पूर्ववर्ती वर्ष में, किसी भी समय शेष पांच लाख रूपये के मूल्य के बराबर से अधिक न हो। d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
97.	Black Money & Imposition of Tax Act, 2015 is having provisions similar to the Income Tax Act on the matters/procedures except: a) Rectification of Mistake apparent from Record b) Revision of orders prejudicial to revenue c) Compounding of Offence d) Appeal before ITAT कालाधन व कर–अधिरोपण अधिनियम, 2015 में विषयों/प्रक्रियाओं के संबंध में आयकर अधिनियम के सदृश प्रावधान है सिवाय a) रिकार्ड में दर्शित गलतियों के परिशोधन में। b) राजस्व की हानि वाले आदेशों के पुनरीक्षण में। c) अपराध के शमनीकरण में। d) आई.टी.ए.टी के समक्ष अपील में।
98.	As per the provisions of section 72(c) of the Black Money & Imposition of Tax Act, 2015 where any asset has been acquired or made prior to commencement of this Act, and no declaration in respect of such asset is made under the BM Act, such asset shall be deemed to have been acquired or made: a) Financial Year 2016-17. b) The year in which the department detected the asset. c) The year in which a notice u/s 10 Black Money & Imposition of Tax Act, 2015 is issued by the Assessing Officer. d) Financial Year in which assessee acquired the Asset. कालाधन व कर–अधिरोपण अधिनियम, 2015 की धारा 72(c) के प्रावधानों के अनुसार, अधिनियम के प्रभावी होने से पूर्व यदि कोई आस्ति अर्जित/धारित की गई और इस आस्ति के संबंध में कालाधन अधिनियम के तहत कोई घोषणा नहीं की गई तो ऐसी आस्ति को कब अर्जित/धारित माना जाएगा : a) वित्तीय वर्ष 2016–17 b) वह वर्ष जिसमें विभाग ने सम्पत्ति का पता लगाया। c) वह वर्ष जिसमें, निर्धारण अधिकारी द्वारा, काला धन कराधान अधिनियम, 2015 की धारा 10 के तहत नोटिस जारी किया

	गया। d) वित्त वर्ष जिसमें निर्धारिती ने संपत्ति हासिल की।
99.	A person who was a resident purchased a residential property in Dubai in the Financial Year 2004-05 and sold it in the financial year 2013-14 much before the enactment of Black Money & Imposition of Tax Act, 2015. As per Black Money & Imposition of Tax Act, 2015 the person is liable to pay tax on: a) Purchase price b) Its value in the previous year in which such asset comes to the notice of the Assessing Officer c) Sale Price d) Profit earned on Sale एक व्यक्ति जो निवासी था, उसने वित्त वर्ष 2004–05 में आवासीय संपत्ति खरीदी तथा काला धन व कराधान अधिनियम, 2015 के लागू होने से बहुत पहले, वित्त वर्ष 2013–14 में इस संपत्ति को बेच दिया। काला धन व कराधान अधिनियम, 2015 के अनुसार इस व्यक्ति को _______पर कर देना होगा a) क्रय मूल्य b) निर्धारण अधिकारी के संज्ञान में आने वाले वर्ष से पिछले वर्ष के मूल्य c) विक्रय मूल्य d) विक्रय पर अर्जित लाभ
100.	For the purpose of Black Money & Imposition of Tax Act, 2015, the order of preference for the payment/first charge on the assets of a company in liquidation is: a) Tax dues, workmen's dues, debts to secured creditor, sundry creditor b) Workmen's dues, debts to secured creditor, tax dues, sundry creditor c) Workmen's dues, debts to secured creditor, sundry creditor, tax dues d) None of the Above कालाधन व कराधान अधिनियम, 2015 के उद्देश्य से कंपनी के परिसमापन पर भुगतान की वरियता/पहला चार्ज का क्रम क्या है? a) बकाया कर, कर्मचारियों का बकाया, प्रतिभूत लेनदारों का ऋण, विविध ऋणदाता। b) कर्मचारियों का बकाया, प्रतिभूत लेनदारों का ऋण, कर शेष, विविध ऋणदाता। c) कर्मचारियों का बकाया, प्रतिभूत लेनदारों का ऋण, विविध ऋणदाता, कर शेष। d) इनमें से कोई नहीं।

*****